संस्करण ● नई दिल्ली ● पानीपत (हरियाणा) ● चण्डीगढ़ ●लखनऊ ● भोपाल (मध्य प्रदेश) ●हल्द्वानी नैनीताल ● देहरादून (उत्तराखण्ड) से एक साथ प्रकाशित... www.publicasia.in

पब्लिक की सुनें, पब्लिक की कहें

पब्लिक एशिया

@publicasia1989 @publicasiaofficial @publicasia e-mail: publicasia1989@gmail.com

वर्ष : 15, अंक : 273 पृष्ठ : 04, पानीपत, बुधवार 13 नवंबर 2024, मूल्य : 2 रूपये RNI No.- HARHIN/2011/40057

झारखंड विस चुनाव : पहले चरण में 43 सीटों पर मतदान आज

10 राज्यों की 31 विधानसभा, एक लोकसभा सीट पर उपचुनाव आज, वायनाड में प्रियंका के खिलाफ भाजपा की नव्या

एजेंसी

रांची /नई दिल्ली » झारखंड में पहले फेज की 43 सीटों के साथ ही 10 राज्यों की 31 विधानसभा और केरल की वायनाड लोकसभा सीट पर बुधवार को उपचुनाव होंगे। झारखंड के विधानसभा चुनाव के लिए प्रथम चरण की 43 सीटों पर कल सुबह 7 : 00 बजे से मतदान होगा और इसकी सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है।

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के रवि कुमार ने आज बताया कि 13 नवंबर को होने वाले मतदान की सारी तैयारियां पूरी कर ली गई है। दूर दराज के मतदान केंद्रों पर हेलीड्रापिंग के माध्यम से मतदान कर्मियों को पहुंचाया गया है। प्रथम चरण में 13 नवंबर को सुबह सात से पांच बजे तक मतदान होगा। 950 बूथों पर मतदान समाप्ति की अवधि शाम चार बजे होगी, लेकिन मतदान समय की समाप्ति के बाद भी कतार में खड़े लोग मतदान कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग का गाइडलाइन है कि कोई भी बाहरी व्यक्ति मतदान वाले क्षेत्र में नहीं रहेगा। इसमें बीमारी की हालत में छूट के लिए मेडिकल बोर्ड के परीक्षण के परिणाम के आधार पर निर्णय होगा। श्री कुमार ने ने कहा कि मतदान की निजता अनिवार्य है। इस स्थिति में मतदान केंद्र के भीतर मोबाइल ले जाना, फोटो लेना, वीडियो बनाना अवैध है। ऐसा करते पकड़े जाने पर सजा का भी प्रावधान है।उन्होंने कहा कि प्रथम चरण के चुनाव में कुल 1.37 करोड़ मतदाता मतदान में हिस्सा लेंगे। उनमें पुरुष मतदाता 68.73 लाख और महिला मतदाताओं की संख्या 68.36 लाख है। थर्ड जेंडर के मतदाताओं की संख्या 303 है। 8 5 वर्ष से अधिक के मतदाताओं की संख्या 63,601 है। जबकि, दिव्यांग मतदाताओं की संख्या 1.91 लाख है। वहीं 18-19 साल के मतदाताओं की संख्या 6.51 लाख है। सिक्किम की 2 सीटों पर 30 अक्टूबर को ही सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (SKM) के दोनों प्रत्याशियों को निर्विरोध विजयी घोषित कर दिया गया था। वायनाड लोकसभा सीट पर उपचुनाव राहुल गांधी के इस सीट को छोड़कर रायबरेली सीट चुनने की वजह से हो रहा है। उन्होंने रायबरेली और वायनाड दो सीटों से चुनाव लड़ा था और दोनों पर जीते थे। यहां से उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा कांग्रेस प्रत्याशी हैं। कांग्रेस का यूडीएफ राज्य में यूडीएफ गठबंधन है।

भाजपा की ओर से नव्या हरिदास और लेफ्ट गठबंधन एलडीएफ से सत्यन मोकेरी चुनावी मैदान में हैं। 10 राज्यों की 31 विधानसभा सीटों में से 28 विधायकों के लोकसभा चुनाव में सांसद बनने, 2 के निधन और 1 के दलबदल से उपचुनाव हो रहे हैं। इनमें 4 सीटें एससी और 6 सीटें एसटी के लिए आरक्षित हैं।

बिहार में चार विधानसभा सीटों पर उपचुनाव

पटना » बिहार के चार विधानसभा क्षेत्रों तरारी, रामगढ़, बेलागंज और इमामगंज (सुरक्षित) में 13 नवंबर को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच उपचुनाव होंगे। राज्य पुलिस मुख्यालय के सूत्रों ने मंगलवार को यहां बताया कि मतदान के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। इस दौरान जिले की सीमाएं सील रहेंगी।

झारखंड चुनाव : अमित शाह और कल्पना सोरेन ने एक दूसरे पर किया प्रहार

एजेंसी/धनबाद, » झारखंड की हॉट सीट में से एक झरिया विधानसभा सीट का माहौल मंगलवार को पूरी तरह चुनावी था। एक तरफ केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह गरजे तो दूसरी तरफ झामुमो नेत्री कल्पना सोरेन ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर निशाना साधा।श्री शाह ने झरिया के नेहरू स्टेडियम में कोयला तस्करी से लेकर अपराध के मुद्दों पर हेमंत सरकार को घेरा। उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पर भी कटाक्ष किया और कहा कि कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। भाजपा सरकार ने वहां से अनुच्छेद 370 को समाप्त कर दिया। अब राहुल बाबा की चार पीढ़ियां भी उसे फिर से बहाल नहीं कर पाएंगी।

गृहमंत्री ने कांग्रेस पार्टी को दलित, आदिवासी, पिछड़ा विरोधी करार दिया और कहा कि वह आरक्षण को समाप्त कर मुसलमानो को आरक्षण देने में जुटी है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर के मुद्दे को कांग्रेस ने 75 वर्षों तक लटकाए रखा। भाजपा की पूर्ण बहुमत की केंद्र में सरकार बनी तो भव्य राम मंदिर का निर्माण हुआ। काशी में विश्वनाथ मंदिर का कॉरिडोर बनकर तैयार हो गया। अब

सोमनाथ मंदिर को सोने से सजाया जा रहा है। श्री शाह ने कहा कि सरकार बनते ही भ्रष्टाचार में डूबे कांग्रेस, झारखंड मुक्ति मोर्चा और राजद के नेताओं को जेल जाना होगा। यह भी कहा कि गरीब, आदिवासियों के रुपए दोनों हाथ से लूटे गए। वर्तमान सरकार पर आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने मनरेगा का पैसा लूटा है। सेना की जमीन भी लूट ली है। भू -माफिया, पेपर लीक माफिया को भाजपा की सरकार उल्टा लटका कर सीधा कर देगी। इधर, झरिया के भौरा में कांग्रेस के पक्ष में झामुमो नेत्री कल्पना सोरेन खूब गरजी। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार पूर्णिमा नीरज सिंह को जिताने की अपील की।

हेमंत सरकार सभी मोर्चे पर विफल, हर तरफ भ्रष्टाचार : नड्डा

एजेंसी/गिरिडीह, » भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री जे.पी नड्डा ने झारखंड की हेमंत सरकार को सभी मोर्चे पर विफल करार दिया और कहा कि इस सरकार के कार्यकाल में हर तरफ केवल भ्रष्टाचार है। श्री नड्डा ने गिरिडीह जिले के देवरी प्रखंड के तिवारीडीह मैदान में

मंगलवार को जनसभा को संबोधित करते हुए कांग्रेस, झारखण्ड मुक्ति मोर्चा और राष्ट्रीय जनता दल पर कड़ा प्रहार करते हुए कहा कि जहां ये तीनो दल मिलकर सरकार बनाए और वहां भ्रष्टचार नहीं हो, ऐसा हो नहीं सकता। इस सरकार के कार्यकाल में माइनिंग में पांच हजार करोड़ रुपए, जल जीवन अभियान में चार हजार करोड़, जमीन में दो हजार करोड़ और मनरेगा में 36 सो करोड़ का घोटाला किया गया है। ऐसे में हेमंत सरकार को चोर सरकार कहना उचित होगा।

केंद्रीय मंत्री ने राज्य में बांग्लादेशी घुसपैठिए का मुद्दा उठाते हुए कहा कि झारखंड की जमीन पर यह घुसपैठिए लगातार कब्जा करते जा रहे है। इससे मुक्ति सिर्फ भाजपा दिलाने वाली है। उन्होंने लोगों से भाजपा के नेतृत्व में सरकार बनाने का आह्वान करते हुए जमुआ की जनता से मंजू कुमारी को जिताने की अपील की।

मौसम

दिल्ली/एनसीआर

अधिकतम ता.	न्यूनतम ता.
31.0°C	17.0°C

संक्षिप्त समाचार

राहुल के विमान में तकनीकी खराबी, महाराष्ट्र में चिखली की रैली रद्द

एजेंसी/नई दिल्ली » लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विमान में तकनीकी खराबी आने के कारण मंगलवार को महाराष्ट्र के बुलढाणा जिले के चिखली में उनकी चुनावी रैली रद्द कर दी गयी। एक वीडियो संदेश के जरिए श्री गांधी ने कहा , 'मुझे आज चिखली आना था। वहां मुझे सोयाबीन किसानों से मिलना और जनसभा को संबोधित करना था, लेकिन विमान में तकनीकी खराबी के कारण मैं नहीं आ सका। मैं आप सभी से माफी मांगता हूं। मुझे पता है कि महाराष्ट्र में किसानों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। राज्य की भाजपा सरकार सोयाबीन और कपास किसानों को सही कीमत नहीं दे रही है।' उन्होंने कहा, 'मैं आपको बताना चाहता हूं कि इंडिया समूह सत्ता में आयेगी, तो हम आपका ख्याल रखेंगे और आपकी समस्याओं को तुरंत हल करने का प्रयास करेंगे।'

बंगाल रंगमंच हस्ती एवं अभिनेता मनोज मित्रा का निधन

एजेंसी/कोलकाता » पश्चिम बंगाल की रंगमंच हस्ती, फिल्म अभिनेता एवं संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार से सम्मानित मनोज मित्रा का मंगलवार को यहां निधन हो गया। वह 85 साल के थे। उन्हें सांस लेने में तकलीफ और अन्य उम्रजनित समस्याओं के कारण शहर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां आज उनका निधन हो गया। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने श्री मित्रा के निधन पर शोक व्यक्त किया है।सुश्री बनर्जी ने अपने शोक संदेश में कहा,'प्रसिद्ध अभिनेता, निर्देशक एवं नाटककार, 'बंगा विभूषण' मनोज मित्रा के निधन से दुखी हूं। मैं उनके परिवार, मित्रों और प्रशंसकों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती हूं।'श्री मित्रा ने 100 से अधिक नाटक लिखे और वर्ष 1985 में सर्वश्रेष्ठ नाटककार के लिए संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार और कई अन्य पुरस्कार जीते। उन्होंने श्री तपन सिन्हा की 'बंछारामेर बागान' और श्री सत्यजीत रे की क्लासिक्स फिल्म 'घरे बैरे' तथा 'गणशत्रु' जैसी फिल्मों में अभिनय के लिए प्रसिद्धि हासिल की।

सुरक्षा परिषद में सुधार के नाम पर हो रहा टाल-मटोल

(रिपोर्ट. शाश्वत तिवारी)

न्यूयॉर्क। भारत ने एक बार फिर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में ठोस सुधार की कड़ी वकालत की है। भारत ने कहा कि दशकों से बार-बार स्थायी सदस्यता में सुधार की मांग उठाए जाने के बावजूद परिषद के पास दिखाने को कोई परिणाम नहीं है और 1965 से अब तक महज टाल-मटोल होता आ रहा है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी. हरीश ने सोमवार को 'सुरक्षा परिषद में न्यायसंगत प्रतिनिधित्व और सदस्यता में वृद्धि का प्रश्न' विषय पर संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक पूर्ण सत्र में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए यह टिप्पणी की।

न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में भारत के स्थायी मिशन ने हरीश के हवाले से एक बयान में कहा अपनी स्थापना के 16 साल बाद, अंतर-सरकारी वार्ता (आईजीएन) एक-दूसरे के साथ संवाद के बजाय मुख्य रूप से बयानों के आदान-प्रदान तक ही सीमित है। कोई बातचीत का पाठ नहीं। कोई समय-सीमा नहीं और कोई निश्चित अंतिम लक्ष्य नहीं।

भारत ने इस बात पर जोर दिया है कि जब वह आईजीएन में वास्तविक ठोस प्रगति चाहता है, जिसमें पाठ-आधारित वार्ता के अग्रदूत के रूप में सुरक्षा परिषद के सुधार के एक नए 'मॉडल' के विकास के संबंध में प्रगति भी शामिल है, तो दिल्ली दो मामलों में सावधानी

बरतने का आग्रह करती है। हरीश ने कहा पहला यह है कि सदस्य राज्यों से जानकारी की न्यूनतम सीमा की खोज से उन्हें अपना मॉडल पेश करने के लिए अनिश्चित अवधि तक इंतजार करने की स्थिति नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा, 'कन्वर्जेंस' के आधार पर एक समेकित मॉडल के विकास से सबसे कम सामान्य 'डिनॉमिनेटर' का पता लगाने की दौड़ नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आगाह किया कि इससे स्थायी श्रेणी में विस्तार और एशिया, अफ्रीका, लैटिन अमेरिका तथा कैरेबियाई देशों के कम प्रतिनिधित्व पर ध्यान देने जैसे महत्वपूर्ण तत्वों को अनिश्चित काल के लिए स्थगित किया जा सकता है। हरीश ने कहा कि 'ग्लोबल साउथ' के सदस्य के रूप में, भारत का मानना है कि 'प्रतिनिधित्व' न केवल परिषद, बल्कि पूरे संयुक्त राष्ट्र की 'वैधता' और 'प्रभावशीलता' दोनों के लिए अपरिहार्य शर्त है। बता दें कि भारत सुरक्षा परिषद में सुधार के लिए वर्षों से चल रहे प्रयासों में सबसे आगे रहा है, जिसमें इसकी स्थायी और अस्थायी दोनों श्रेणियों में विस्तार शामिल है।

सतह पर मार करने वाली लंबी दूरी की क्रूज़ मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण

एजेंसी

नई दिल्ली » रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मंगलवार को एक मोबाइल आर्टिकुलेटेड लॉन्चर से ओडिशा के तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज चांदीपुर से सतह पर मार करने वाली लंबी दूरी की क्रूज़ मिसाइल का पहला उड़ान परीक्षण किया।

परीक्षण के दौरान, सभी उप-प्रणालियों ने अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन किया और प्राथमिक मिशन उद्देश्यों को पूरा किया। मिसाइल के प्रदर्शन की निगरानी उड़ान पथ की पूरी कवरेज सुनिश्चित करने के लिए आईटीआर द्वारा विभिन्न स्थानों पर तैनात रडार, इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और टेलीमेट्री जैसे कई रेंज सेंसर द्वारा की गई थी। बेहतर और विश्वसनीय प्रदर्शन सुनिश्चित करने के लिए मिसाइल उन्नत एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से भी लैस है।

मिसाइल को अन्य डीआरडीओ प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के योगदान के साथ-साथ वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान, बेंगलुरु द्वारा विकसित किया गया है। भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, हैदराबाद और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, बेंगलुरु इसके दो विकास-सह-उत्पादन-साझेदार हैं और वे मिसाइल विकास और एकीकरण में लगे हुए हैं। इस परीक्षण को विभिन्न डीआरडीओ प्रयोगशालाओं के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ-साथ तीनों सेनाओं के प्रतिनिधियों, सिस्टम के उपयोगकर्ताओं ने देखा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सफल प्रथम उड़ान परीक्षण पर डीआरडीओ, सशस्त्र बलों और उद्योग को बधाई दी है।

मैं योगी हूं, योगी के लिए देश पहले

अचलपुर में कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे को योगी की खरी-खरी

एजेंसी

अमरावती » उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा की गई टिप्पणी का जवाब दिया। सीएम योगी ने मंगलवार को महाराष्ट्र में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को खरी-खरी सुनाई। उन्होंने कहा कि मैं योगी हूं, मेरे लिए देश पहले है, राजनीतिक स्वार्थ बाद में, लेकिन आपके लिए कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति पहले है।

मेरा हर काम पहले देश के नाम : महाराष्ट्र के अचलपुर में रैली को संबोधित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे तीन दिन से मुझ पर नाराज हो रहे हैं कि मैं ऐसी भाषा का प्रयोग क्यों कर रहा हूं। खड़गे जी ! मैं योगी हूं, योगी के लिए देश पहले है। राजनीतिक स्वार्थ बाद में। मेरे और आपमे यही अंतर है। मेरे नेता मोदी ने यही बताया है कि हर काम, पहले देश के नाम। आपके लिए कांग्रेस की तुष्टिकरण की नीति पहले है। यही कारण है कि आप न सच्चाई बोल पा रहे हैं, न समझ पा रहे हैं।

मुस्लिम लीग के कारण सरेंडर कर चुका था कांग्रेस नेतृत्व : सीएम योगी ने कहा कि खड़गे जी के परिवार के साथ आजादी के तत्काल बाद घटना घटित हुई थी। खड़गे जी का गांव बारामती हैदराबाद के निजाम के अधीन था। देश की आजादी के पहले

अंग्रेजों को लगा कि अब भारत के क्रांतिकारियों के सामने अधिक दिन तक नहीं टिक पाएंगे तो उसने भारत के विभाजन को लेकर रोडमैप तय किया। वे देश में मुस्लिम लीग को देश में प्रोत्साहित करने का कार्य कर ही रहे थे। उस समय कांग्रेस नेतृत्व भी मुस्लिम लीग के सामने सरेंडर कर चुका था। यही कारण था कि मुस्लिम लीग निर्ममता से हिंदुओं को काट रहा था, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व सत्तालोलुप होकर मौन बना था।

सरदार पटेल गृह मंत्री थे तो हैदराबाद के निज़ाम को लगा कि बहुत दिन तक अलग अस्तित्व नहीं बना पाऊंगा : सीएम योगी ने कहा कि ब्रिटिशरों ने देसी रियासतों को स्वतंत्रता दी कि वे चाहें तो भारत का हिस्सा बनें, चाहें तो पाकिस्तान का हिस्सा और चाहें तो स्वतंत्र अस्तित्व भी रख सकते हैं। भारत में जूनागढ़ का नवाब और हैदराबाद के निजाम ने खुद को स्वतंत्र रियासत के रूप में स्थापित करने की चेष्टा की। जिस समय लौहपुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल गृह मंत्री थे तो हैदराबाद के निजाम को लगा कि बहुत दिनों तक अलग अस्तित्व नहीं बना पाऊंगा, तब उसने निर्ममता से हिंदुओं का कत्लेआम शुरू कराया था।

वोटबैंक की खातिर परिवार के बलिदान को भूल गए खड़गे

सीएम योगी ने कहा कि डॉ. आंबेडकर ने हैदराबाद रियासत के सभी अनुसूचित जाति, जनजाति व हिंदुओं का आह्वान किया कि वे वहां सुरक्षित नहीं हैं, महाराष्ट्र की तरफ आ जाएं। उस समय हैदराबाद रियासत के अधीन बारामती गांव भी जलाया गया था। यह मल्लिकार्जुन खड़गे जी का गांव था। इसमें खड़गे जी की मां, चाची और बहन को निज़ाम के रजाकारों द्वारा जलाया गया, लेकिन खड़गे जी सच्चाई को नहीं बोलना चाहते। उन्हें लगता है कि निज़ाम पर आरोप लगाऊंगा तो मुस्लिम वोट खिसक जाएगा। कांग्रेस इतिहास को झूठलाने का कार्य कर रही है। निज़ाम के रजाकारों ने हैदराबाद रियासत के अंदर निर्ममता से हिंदुओं का कत्लेआम किया। गांव के गांव जलाए गए थे। खड़गे जी उस सच्चाई को स्वीकार नहीं करना चाहते। खड़गे जी वोटबैंक की खातिर परिवार के बलिदान को भूल गए। सीएम ने दो टूक कहा कि इनके लिए सत्ता महत्वपूर्ण है, देश नहीं।

देवउठनी एकादशी देश भर में शादियों का सीजन शुरू

दिल्ली में हुई हजारों शादियाँ

एजेंसी

नई दिल्ली » देवउठनी एकादशी के पावन अवसर पर मंगलवार को देश भर में शादियों का सीजन शुरु हुआ। दिल्ली में लगभग 50,000 शादियाँ संपन्न हुईं और आज से ही अगले 16 दिसंबर तक शादियों के सीजन का पहला चरण पूरा होगा।

आज शादियों के सीजन का पहला दिन है, जो 18 दिनों तक चलेगा। इस अवधि में पूरे देश में लगभग 48 लाख शादियाँ होने का अनुमान है जबकि दिल्ली में यह आँकड़ा 4.5 लाख शादियों का है, जो व्यापारिक गतिविधियों में जबरदस्त वृद्धि लाएगा। अगले एक महीने से अधिक समय तक दिल्ली तथा पूरे देश में गाजे बाजे की आवाज़ सुनाई देगी। आज दिल्ली एवं देश भर के विभिन्न राज्यों के मंदिरों एवं अन्य अनेक स्थानों पर तुलसी विवाह भी संपन्न हुए। तुलसी का पौधा सीधा भगवान विष्णु से संबंधित होता है और देवउठनी एकादशी पर देशभर में भगवान श्री विष्णु के शालिग्राम स्वरूप का

विवाह तुलसी माता से करवाया जाता है जिसे बहुत शुभ माना गया है।

कनफ़ेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय महामंत्री तथा चाँदनी चौक से सांसद प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि पुराणों के अनुसार देवउठनी एकादशी को भगवान श्री विष्णु चार माह की निद्रा के बाद जागते हैं तथा देव के उठने के बाद से ही मांगलिक कार्यों की शुरुआत हो जाती है। इसीलिए इस दिन से शादियों के शुभ मुहूर्त भी शुरू होते हैं। शादी के सीजन में कपड़े, आभूषण, सजावट, इलेक्ट्रॉनिक्स, फर्नीचर, उपहार और खानपान जैसी विभिन्न श्रेणियों के व्यापार में बड़ी वृद्धि होती है। वहीं बड़ी मात्रा में विभिन्न प्रकार के सेवा प्रदाताओं को भी बड़ा व्यापार मिलता है वहीं बड़े पैमाने पर रोज़गार के अवसर भी मिलते हैं।

कैट के एक अनुमान के अनुसार, इस शादी के सीजन में व्यापार से लगभग छह लाख करोड़ रुपये से अधिक का व्यापार होगा जो देश के आर्थिक एवं सामाजिक ढाँचे को मजबूत करेगा।

श्री खंडेलवाल ने कहा कि यह सीधे तौर पर भारत की अर्थव्यवस्था में 'सनातन अर्थव्यवस्था' के महत्वपूर्ण प्रतिभाग को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि यह शादी का सीजन न केवल व्यापारियों के लिए बल्कि अर्थव्यवस्था के हर क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण योगदान देगा। हम आशा करते हैं कि यह सीजन सभी व्यापारियों और लोगों के लिए सुखद एवं समृद्धि लाने वाला होगा।

कैट के राष्ट्रीय अध्यक्ष बी सी भरतिया ने कहा कि शादी के सीजन में कारोबार की अच्छी संभावनाओं को देखते हुए देशभर के व्यापारियों ने व्यापक तैयारियां की हैं। ग्राहकों की संभावित भीड़ को देखते हुए व्यापारी अपने यहां सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रख रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विवाह का लगभग 20 प्रतिशत खर्च दूल्हा-दुल्हन पक्ष को जाता है जबकि 80 प्रतिशत खर्च विवाह संपन्न कराने में काम करने वाली अन्य तीसरी एजेंसियों को जाता है इसीलिए शादियों के सीजन में की गई ख़रीदी व्यापार में वित्तीय तरलता बनाए रखती है।

दक्षिण भारत में भारी बारिश, उत्तर भारत में घना कोहरे के आसार

एजेंसी

नई दिल्ली » अगले चार से पांच दिनों के दौरान देश के दक्षिणी हिस्सों में भारी बारिश और उत्तर भारत के कुछ हिस्सों में घना कोहरा छाए रहने के आसार हैं। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने मंगलवार को बताया कि दक्षिणी-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में सोमवार के चक्रवाती परिसंचरण के प्रभाव में बना निम्न दबाव का क्षेत्र लगभग पश्चिम की ओर बढ़ गया है और अब यह दक्षिण-पश्चिम तथा उससे सटे पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी, उत्तरी तमिलनाडु और उससे सटे दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों पर स्थित है। मौसम विभाग ने कहा, 'इसके प्रभाव से 12 से 16 नवंबर तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल, तटीय आंध्र प्रदेश, यनम तथा रायलसीमा में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम स्तर की बारिश या गरज और बिजली गिरने की संभावना है।'

विभाग ने कहा, 'बारह नवंबर को रायलसीमा, दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश, यनम तथा उत्तरी तमिलनाडु में अलग-अलग स्थानों पर बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं।' साथ ही,13 से 16 नवंबर तक तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में, 13 से 17 नवंबर तक केरल और माहे में, 13 और 14 नवंबर को तटीय आंध्र प्रदेश, यनम तथा रायलसीमा में और 13 से 15 नवंबर तक दक्षिण आंतरिक कर्नाटक में भारी वर्षा होने की संभावना है।चौदह नवंबर की सुबह तक पंजाब के अलग-अलग इलाकों में देर रात और सुबह के समय घना से बहुत घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। इसके बाद अगले दो दिनों तक घना कोहरा छाए रहने की संभावना है। विभाग ने कहा, '17 नवंबर की सुबह तक हिमाचल प्रदेश के अलग-अलग इलाकों में देर रात और सुबह के समय घना कोहरा छाए रहने की संभावना है, जबकि 15 नवंबर तक हरियाणा और उत्तर प्रदेश में ऐसा ही रहने की संभावना है।' मौसम विभाग के अनुसार 14 नवंबर से एक नया पश्चिमी विक्षोभ पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र को प्रभावित करने की संभावना है। अगले पांच दिनों में उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत में न्यूनतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण बदलाव की उम्मीद नहीं है, जबकि पूर्वी भारत में अगले चार दिनों में न्यूनतम तापमान में 3-4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आने की संभावना है।

संपादकीय

नए सीजेआई के सामने पुरानी चुनौतियाँ

भारत के नए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस संजीव खन्ना के सामने सभी चुनौतियाँ पुरानी हैं। देश के 51 वें मुख्यन्यायधीश जस्टिस संजीव खन्ना ने पहले ही दिन एक मामले में पैरवी कर रहे वकील को झड़पी देकर ये संकेत दे दिए हैं कि उनकी कार्यशैली निवर्तमान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस दिवय चंद्चूड़ से कैसे और कितनी अलग होगी। नए सीजेआई की सबसे बड़ी चुनौती उनका अल्प कार्यकाल है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजीव खन्ना का बतौर मुख्य न्यायधीश, कार्यकाल छह महीने का होगा. वह अगले साल 13 मई 2025 को रिटायर हो रहे हैं।

हमारे देश में एक कहावत है कि - % पूत के पांव पालने में दिखाई देने लगते हैं। सीजेआई खन्ना के बारे में ये कहावत कितनी लागू होती है ये जानने के लिए आपको उनके पहले दिन का काम काज देखना चाहिए। आपको पता है कि जस्टिस खन्ना साहब की भी अपनी एक विरासत है जस्टिस डीवाय चंद्रचूड़ की तरह। चंद्रचूड़ साहब के पिता देश के सीजेआई रह चुके थे ,उनके नाम सबसे अधिक समय तक इस पद रहने का कीर्तिमान दर्ज है ,जबकि जस्टिस खन्ना के पितापिता देवराज खन्ना दिल्ली हाईकोर्ट के जज रहे हैं। जस्टिस संजीव खन्ना के चाचा देश के सीजेआई बनते-बनते रह गए थे,नए सीजेआई अंजीव कहना साहब जस्टिस एचआर खन्ना के भतीजे हैं। उनके चाचा ने एडीएम जबलपुर के फैसले में असहमति जताई थी।ऐसी लोकमान्यता है कि जसिटस एच आर खन्ना के इस फैसले से नाराज सरकार ने उन्हें सीजेआई नहीं बनाया था और जस्टिस एचआर खन्ना ने इस्तीफा दे दिया था।

नए सीजेआई जस्टिस जस्टिस संजीव खन्ना को 201 9 में उच्चतम न्यायालय का जज बनाया गया था। पहले ही दिन वो अपने चाचा की कोर्ट में बैठे और यहाँ जस्टिस एचआर खन्ना की तस्वीर भी है। नए सीजेआई जस्टिस खन्ना शांत, गंभीर और सरल स्वभाव के हैं। पब्लिसिटी से दूर रहते हैं ,लेकिन समस्या ये है की क्या मीडिया उन्हें पब्लिसिटी से दूर रहने देगी। मीडिया ने पहले ही दिन नए सीजेआई ने एक मामले की सुनवाई के दौरान वरिष्ठ अभिभाषक मैथ्यूज नेदुम्परा को झिड़क दिया और कहा की वे यहां उनका लेक्चर सुनने नहीं आये है। वकील साहब की गलती सिर्फ इतनी थी की उन्होंने नए सीजेआई से ये कह दिया की -उच्चतम न्यायालय में केवल अडानी अम्बानी की सुनवाई हो रही है गरीबों की नहीं।वैसे भी इस समय देश कि उच्चतम न्यायालय में भाषण देने वाले वकीलों की संख्या पहले की अपेक्षा कुछ ज्यादा ही बढ़ गयी है। ये वे वकील हैं जो सुर्ख़ियों में रहने के आदी हैं।

बहरहाल नए सीजेआई को हकीकत का सामना तो करना ही पड़ेगा ,क्योंकि अतीत में उच्चतम न्यायालय में जिस तरह से क्रन्तिकारी काम हुआ है या आधे-अधूरे फैसले आये हैं ,उनसे आगे निकलने की जरूरत नए सीजेआई को पड़ेगी। सब जानते हैं कि उच्चतम न्यायालय में 70 हजार से ज्यादा मामले लंबित है। हालांकि इस दौरान पुराने सीजेआई जस्टिस डी वाय, चंद्रचूड़ साहब ने उच्चतम न्यायालय को आधुनिक और पारदर्शी बनाने की दिशा में काफी काम किया। पुराने सीजेआई जस्टिस चन्द्रचूड़ साहब अपने फैसलों से ज्यादा सुधारों के लिए याद किये जायेंगे। उन्होंने न्याय की प्रतीक प्रतिमा की आँखों से काली पट्टी हटवाई। हाथ से तलवार हटवाकर संविधान की प्रति दिलवाई। नए सीजेआई अपने छह माह के कार्यकाल में कोई नया इतिहास लिख पाएंगे ये कहना और ऐसी धारणा बनाना भी ठीक नहीं। उन्हें मौजूदा सरकार से टकराव की मुद्रा भी अख्तियार नहीं करना है ,हालांकि आम धरना है की वे ऐसा कर सकते हैं। आपको बता दूँ कि जस्टिस खन्ना 14 साल तक दिल्ली हाईकोर्ट में जज रहे. 2005 में एडिशनल जज और 2006 में स्थायी जज बने। जस्टिस संजीव खन्ना 18 जनवरी 2019 को वो भारत के सुप्रीम कोर्ट में जज के रूप में पदोन्नत किए गए। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट लीगल सर्विस कमेटी के अध्यक्ष पद का कार्यभार 17 जून 2023 से 25 दिसंबर 2023 तक संभाला। इस समय वे राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष हैं और राष्ट्रीय न्यायिक अकादमी, भोपाल की गवर्निंग काउंसिल के सदस्य भी हैं।

ये तो उनका परिचय था। अब उनके द्वारा अतीत में दिए गए कुछ फैसलों पर भी नजर डाल लीजिये ताकि आप अनुमान लगा सकें की नए सीजेआई जस्टिस खन्ना भविष्य में किस तरह की मुद्रा अख्तियार कर सकते हैं। जस्टिस संजीव खन्ना बहुचर्चित बिलकिस बानो केस में फैसला देने वाली बेंच में शामिल थे। उन्होंने केंद्र सरकार की आँखों की किरकिरी बने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को जमानत भी दी थी। उन्होंने केजरीवाल को एक बार अंतरिम बेल दी थी और बाद में उन्हें नियमित बेल दी थी। खन्ना साहब वीवीपैट ' का सौ फीसदी सत्यापन करने , इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम, आर्टिकल 370 हटाने को लेकर दायर याचिकाओं की सुनवाई करने वाली बेंच में जस्टिस संजीव शामिल रहे हैं। जस्टिस खन्ना के कम कार्यकाल का उनके भावी कार्यकाल पर कितना असर होगा कहना कठिन है। वे चाहें तो इसे इतिहास भी बना सकते हैं और न चाहें तो खामोशी के साथ सेवानिवृत भी हो सकते है। वे सौभाग्यशाली हैं कि उन्हें कम से कम छह माह तो मिल रहे हैं अन्यथा इस देश में ऐसे सीजेआई भी बने हैं जो मात्र 17 दिन ही इस पद पर रह पाए। देश के 22 वे सीजेआई जस्टिस कमल नारायण सिंह के नाम सबसे कम दिन सीजेआई रहने का रिकार्ड दर्ज है। देश को उम्मीद है कि नए सीजेआई अपने पूर्व के सीजेआई से बड़ी और नयी लकीर खींचेंगे। वे किसी को अपने घर आरती उतारने के लिए नहीं बुलाएँगे किसी अड्डे पर जाकर अपने फैसलों कि बारे में सफाई नहीं देंगे। वे उच्चतम न्यायालय को इस छवि से भी बाहर निकलने की कोशिश करेंगे कि यहां केवल अडानी और अम्बानी जैसे लोगों के मामलों को ही प्राथमिकता के आधार पर सुना जाता। उन्हें अपने संक्षिप्त कार्यकाल में उच्चतम न्यायालय को गरीबों की सुनवाई का मंच बनाने का भी अवसर है हम सब नए सीजेआई के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं देते हैं।

▪ राकेश अचल

बाकू सम्मेलन अमीर देशों की उदासीनता दूर कर पाएगा!

ललित गर्ग

जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, असंतुलित पर्यावरण, जलवायु संकट एवं बढ़ते कार्बन उत्सर्जन जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। जलवायु परिवर्तन के मोर्चे पर धरती की हालत 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की' वाली है। इसीलिए कॉप-29 लगातार जलवायु अराजकता की ओर बढ़ रही पृथ्वी को बचाने का माध्यम बनना बहुत जरूरी है। विकासशील देशों को इसके लिए अपनी आवाज बुलंद करनी होगी, क्योंकि यह न केवल न्याय के दृष्टिकोण से, अपितु मानव अस्तित्व एवं सृष्टि संतुलन के लिहाज से भी बेहद अहम है।

संयुक्त राष्ट्र का दो सप्ताह का जलवायु सम्मेलन कॉप-29 सोमवार से अजरबैजान की राजधानी बाकू में शुरू हो गया है। पर्यावरण से जुड़े इस महाकुंभ में भारत समेत लगभग 200 देश हिस्सा ले रहे हैं। इसमें जलवायु परिवर्तन के प्रति सबसे अधिक संवेदनशील देशों के लिए जलवायु वित्त का नया लक्ष्य तय करने, जलवायु परिवर्तन, वैश्विक तापमान की वृद्धि को सीमित करने और विकासशील देशों के लिए समर्थन जुटाने पर सार्थक एवं परिणामकारी भी चर्चाएं होने की संभावनाएं हैं। साथ ही इसमें पेरिस समझौते के लक्ष्यों को तेजी से आगे बढ़ाने पर समूची दुनिया के देश चर्चा करेंगे। सम्मेलन में भारत की प्रमुख प्राथमिकताएं जलवायु वित्त पर विकसित देशों की जवाबदेही सुनिश्चित करने और ऊर्जा स्त्रोतों के समतापूर्ण परिवर्तन का लक्ष्य प्राप्त करना होंगी। वर्ल्ड रिसोर्सेज इंस्टीट्यूट (डब्ल्यूआरआइ) के विशेषज्ञ इस वर्ष के शिखर सम्मेलन से चार प्रमुख परिणामों की उम्मीद कर रहे हैं- नया जलवायु वित्त लक्ष्य, मजबूत राष्ट्रीय जलवायु प्रतिबद्धताओं के प्रति तेजी, पिछले वादों पर ठोस प्रगति और नुकसान व क्षति के लिए अधिक धनराशि। विश्व में तापमान बढ़ोत्तरी, 'अल नीनो' व 'ला नीना' के प्रभावों के चलते मौसम की घटनाओं से पूरी दुनिया प्रभावित हो रही है। इस बीच एक नए अध्ययन में पूर्वी यूरोप के 10 ऐसे देशों की पहचान की गई है, जो भविष्य में तापमान वृद्धि से सबसे अधिक आर्थिक नुकसान का सामना करेंगे। ऐसे में पूरी दुनिया की निगाहें जलवायु सम्मेलन कॉप-29 में होने वाली चर्चाओं, फैसलों और नतीजों पर टिकी हैं।

कॉप-29 सम्मेलन को पर्यावरण समस्याओं, चुनौतियों एवं बदलते मौसम के मिजाज को संतुलित करने के लिये महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस सम्मेलन से दुनिया ने उम्मीदें लगा रखी है। जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने की राह में विकासशील देशों के सामने सबसे प्रमुख अवरोध वित्तीय संसाधनों का अभाव है। अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं के बावजूद विकसित देशों का योगदान आवश्यक स्तर से कम है। वर्ष 2022 में विकसित देशों ने 115.9 अरब डालर उपलब्ध कराए और पहली बार 100 अरब डालर के वार्षिक लक्ष्य का आंकड़ा पार हुआ। हालांकि यह अभी भी कम है, क्योंकि अगर विकासशील देशों को जलवायु परिवर्तन से जुड़े लक्ष्य हासिल करने हैं तो 2030 तक हर साल दो ट्रिलियन (लाख करोड़) डालर राशि की आवश्यकता होगी। कर्ज का अंबार विकासशील देशों की राह में एक और बाधा बना हुआ है। तमाम विकासशील देश कर्ज के बोझ से ऐसे कराह रहे हैं कि जलवायु परिवर्तन से निपटने के लिए आवश्यक कदम उठाने के लिए उनके पास संसाधन बहुत सीमित हो जाते हैं। इसीलिये जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए अमीर एवं शक्तिशाली देशों की उदासीनता एवं लापरवाह रवैया एक बार फिर बाकू सम्मेलन कॉप-29 में चर्चा का विषय बन रहा है।

दुनिया में जलवायु परिवर्तन की समस्या जितनी गंभीर होती जा रही है, इससे निपटने के गंभीर प्रयासों का उतना ही

अभाव महसूस हो रहा है। मिस्र में हुए कॉप 27 में नुकसान एवं क्षतिपूर्ति कोष की पहल हुई थी, लेकिन उसमें पर्याप्त योगदान न होने से उसकी उपयोगिता सीमित बनी हुई है। ऐसे में यह उचित ही होगा कि विकासशील देश उस नुकसान एवं क्षतिपूर्ति मुआवजे पर भी जोर दें, जिसकी चर्चा तो बहुत हुई थी, लेकिन उस दिशा में ठोस कदम नहीं उठाए गए। विकसित देशों की जलवायु परिवर्तन से जुड़ी समस्याओं पर उदासीनता इसलिये भी सामने आ रही है कि विकसित देश कार्बन उत्सर्जन में अपने पुराने और भारी योगदान को अनदेखा करते हुए विकासशील देशों पर जल्द से जल्द उत्सर्जन कम करने के लिए ऐसा दबाव डालते हैं कि वे उनकी गति से ताल मिलाएं। इस प्रकार विकासशील देशों की सामाजिक-आर्थिक वास्तविकताओं का संज्ञान लिए बिना ही अमीर देशों द्वारा लक्ष्य तय किया जाना भी असंतोष का एक कारण बन रहा है। इसमें कोई संदेह नहीं कि जलवायु परिवर्तन से उपजी प्रतिकूल मौसमी परिघटनाओं ने उन देशों एवं समुदायों को बहुत ज्यादा क्षति पहुंचाई है, जो ग्लोबल वार्मिंग के लिए अपेक्षाकृत कम जिम्मेदार हैं।

देखा जाए तो आज जीवन के हर पहलू पर जलवायु में आते बदलावों का असर साफ तौर पर नजर आने लगा है। लोगों का स्वास्थ्य भी इससे सुरक्षित नहीं है। बात चाहे आपदाओं के कारण जा रही जानों की हो या इसकी वजह से तेजी से पनपती बीमारियों की, जलवायु परिवर्तन रूप बदल-बदल कर लोगों के स्वास्थ्य पर आघात कर रहा है। ऐसे में स्वास्थ्य पर मंडराते इस खतरे को कहीं ज्यादा संजीदगी से लेने की जरूरत है। बढ़ती गर्मी के प्रति चेतावनी, जीवाश्म ईंधन की सही कीमत का निर्धारण और घरों में ऊर्जा के साफ सुथरे साधनों का उपयोग सालाना 20 लाख लोगों की जान बचा सकता है। ऐसे में इस शिखर सम्मेलन से ठीक पहले विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भी देशों से जीवाश्म ईंधन से अपना नाता तोड़ने का आग्रह किया है। साथ ही सरकारों से आम लोगों को जलवायु में आते बदलावों का सामना करने के काबिल बनाने में मदद करने की वकालत की है।

कॉप-29 से ठीक पहले जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य पर जारी अपनी विशेष रिपोर्ट में विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वैश्विक नेताओं से जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य को अलग-अलग मुद्दों के रूप में देखना बंद करने का आग्रह किया है। ताकि न केवल लोगों के जीवन को बचाया जा सके, साथ ही मौजूदा और आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित किया जा सके। गौरतलब है कि विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 100 से भी ज्यादा संगठनों और 300 विशेषज्ञों के सहयोग से जलवायु परिवर्तन और स्वास्थ्य से जुड़े मुद्दों को संबोधित करते हुए कॉप-29 पर यह विशेष रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में तीन प्रमुख क्षेत्रों लोग, क्षेत्र और ग्रह से जुड़ी महत्वपूर्ण नीतियों पर प्रकाश डाला गया है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में 360 करोड़ लोग ऐसे क्षेत्रों में रह रहे हैं, जो जलवायु में आते बदलावों के प्रति बेहद संवेदनशील हैं। यह वो क्षेत्र हैं जहां खतरा बहुत ज्यादा है। लोगों के जीवन की रक्षा करने के लिए ऐसी स्वास्थ्य प्रणालियों को तैयार करना जरूरी है जो जलवायु में आते बदलावों का सामना कर सकें और मुश्किल समय में भी लोगों के प्राणों की रक्षा कर सकें। स्वास्थ्य और जलवायु नीतियों का मेल मानव प्रगति एवं आदर्श विश्व संरचना के लिए बेहद जरूरी है।

वैज्ञानिक और पर्यावरणविद चेतावनी दे रहे हैं कि आने वाले दशकों में वैश्विक तापमान और बढ़ेगा इसलिए अगर दुनिया अब भी नहीं सर्तक होगी तो इक्कीसवीं सदी को भयानक आपदाओं से कोई नहीं बचा पाएगा। भारत के साथ पाकिस्तान और अफगानिस्तान सहित 11 ऐसे देश हैं जो जलवायु परिवर्तन के लिहाज से चिंताजनक श्रेणी में हैं। ये ऐसे देश हैं, जो जलवायु परिवर्तन के कारण सामने आने वाली पर्यावरणीय और सामाजिक चुनौतियों से निपटने की क्षमता के लिहाज से खासे कमजोर हैं। औद्योगिक गैसों के लगातार बढ़ते उत्सर्जन और वन आवरण में तेजी से हो रही कमी के कारण ओजोन गैस की परत का क्षरण हो रहा है। इस अस्वाभाविक बदलाव का प्रभाव वैश्विक स्तर पर हो रहे जलवायु परिवर्तनों के रूप में दिखलाई पड़ता है। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से ग्लेशियर तेजी से पिघल कर समुद्र का जलस्तर तीव्रगति से बढ़ा रहे हैं। जिससे समुद्र किनारे बसे अनेक नगरों एवं महानगरों के डूबने का खतरा मंडराने लगा है।

जलवायु परिवर्तन के कारण 2000 से बाढ़ की घटनाओं में 134 प्रतिशत वृद्धि हुई है और सूखे की अवधि में 29 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। पानी के संरक्षण और समुचित उपलब्धता को सुनिश्चित कर हम पर्यावरण को भी बेहतर कर सकते हैं तथा जलवायु परिवर्तन की समस्या का भी समाधान निकाल सकते हैं। दुनिया ग्लोबल वार्मिंग, असंतुलित पर्यावरण, जलवायु संकट एवं बढ़ते कार्बन उत्सर्जन जैसी चिंताओं से रू-ब-रू है। जलवायु परिवर्तन के मोर्चे पर धरती की हालत 'मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की' वाली है। इसीलिए कॉप-29 लगातार जलवायु अराजकता की ओर बढ़ रही पृथ्वी को बचाने का माध्यम बनना बहुत जरूरी है। विकासशील देशों को इसके लिए अपनी आवाज बुलंद करनी होगी, क्योंकि यह न केवल न्याय के दृष्टिकोण से, अपितु मानव अस्तित्व एवं सृष्टि संतुलन के लिहाज से भी बेहद अहम है।

जेईई मेन की तैयारी शुरू करने का सही समय क्या है ?

प्रत्येक जेईई अभ्यर्थी और उनके माता-पिता के मन में एक सामान्य प्रश्न चलता रहता है। प्रतिष्ठित आईआईटी सीट के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा और विशाल पाठ्यक्रम के साथ, जेईई उम्मीदवार अक्सर जेईई यात्रा के सबसे बुनियादी पहलू के बारे में भ्रमित और तनावग्रस्त हो जाते हैं। आपको अपनी जेईई की तैयारी कब शुरू करनी चाहिए? यदि आप, एक

विजय गर्ग

जेईई अभ्यर्थी या जेईई अभ्यर्थी के माता-पिता के रूप में, इसी प्रश्न का उत्तर ढूंढ रहे हैं, तो चिंता न करें; हम इस संबंध में आपकी शंकाओं का समाधान करने के लिए यहां हैं। कक्षा 9वीं जेईई की तैयारी शुरू करने का सही समय है जल्दी शुरुआत हमेशा फायदेमंद हो सकती है; यह आपको बढ़ती प्रतिस्पर्धा में बढ़त दिलाता है। अपनी जेईई की तैयारी जल्दी शुरू करने से आपको कई फायदे मिल सकते हैं जो आपको अंक और रैंक हासिल करने में मदद कर सकते हैं जो आपको प्रतिष्ठित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में सीट सुरक्षित करने में मदद कर सकते हैं। 9वीं कक्षा से जेईई की तैयारी शुरू करना आपके लिए रचनात्मक हो सकता है। एक अच्छी शुरुआत आपको अपने जेईई पाठ्यक्रम के हर हिस्से को कवर करने के लिए पर्याप्त समय दे सकती है। आप भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित के बुनियादी सिद्धांतों को कवर करते हैं, जिससे आप हर विषय और अवधारणा को विस्तार और गहराई से समझ सकते हैं। जल्दी तैयारी शुरू करने का सबसे बड़ा फायदा यह है कि आपको सब कुछ ठूंस-ठूंसकर भरने की जरूरत नहीं है; बल्कि, आप विस्तार में जा सकते हैं, प्रत्येक अध्याय को धीमी गति से कवर कर सकते हैं, और संपूर्ण अभ्यास के माध्यम से विभिन्न प्रकार की समस्याओं को रणनीतिक रूप से हल करने में संलग्न हो सकते हैं। जल्दी शुरुआत करने से आप मुख्य विषयों के विभिन्न क्षेत्रों में अपनी ताकत और कमजोरियों को पहचानने में सक्षम हो सकते हैं। यह आत्म-जागरूकता महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह आपको उन विषयों पर अधिक ध्यान केंद्रित करने के लिए अपनी अध्ययन योजना तैयार करने में मदद करती है जो आपको चुनौतीपूर्ण लगते हैं और साथ ही अपनी ताकत भी बढ़ाते हैं। इसके अतिरिक्त, अपनी जेईई की तैयारी जल्दी शुरू करने से आपको प्रतिस्पर्धा में बढ़त मिलती है। समय से पहले अवधारणाओं में महारत हासिल करके, आप अपनी स्कूली परीक्षाओं में उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ता है और आपके भविष्य के लिए एक मजबूत शैक्षणिक नींव तैयार होती है। 9वीं कक्षा से जेईई की तैयारी शुरू करने के फायदे - अनुशासन सीखें : जल्दी शुरुआत करने से आपको नियमित रूप से अध्ययन करने और अपने समय का अच्छी तरह से प्रबंधन करने जैसी अच्छी आदतें विकसित करने में मदद मिलती है। सोचने के कौशल में सुधार करें: प्रारंभिक तैयारी आपको अधिक गंभीरता से सोचने और समस्याओं को बेहतर ढंग से हल करने में मदद करती है, जिससे

आपको दूसरों पर बढ़त मिलती है। मजबूत बुनियादी बातें बनाएं : जल्दी शुरुआत करने से आप भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित जैसे विषयों की बुनियादी बातों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं, जिससे बाद में सीखना आसान हो जाता है। अवधारणाओं को बेहतर ढंग से समझें : प्रारंभिक तैयारी आपको अवधारणाओं को अधिक स्पष्ट रूप से समझने और उन्हें वास्तविक जीवन की स्थितियों में लागू करने में मदद करती है। परीक्षा रणनीतियाँ सीखें: ओलंपियाड में भाग लेने से आपको परीक्षा देने के विभिन्न तरीके सीखने में मदद मिलती है, जिससे आप जेईई के लिए अधिक तैयार हो जाते हैं। फोकस और आत्मविश्वास विकसित करें : जल्दी शुरुआत करने से आपको ध्यान केंद्रित रहने, बेहतर ध्यान केंद्रित करने और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं का सामना करने के बारे में अधिक आत्मविश्वास महसूस करने में मदद मिलती है। कई जेईई अभ्यर्थी उन्नत विषयों के लिए बेहतर नींव बनाने के लिए शुरुआती शुरुआत देने के लिए कक्षा 9वीं या 10वीं में फाउंडेशन कार्यक्रमों में शामिल होते हैं। क्या आप कक्षा 11 में अपनी जेईई तैयारी शुरू कर सकते हैं: हाँ, आप कर सकते हैं: कक्षा 11 में जेईई परीक्षा की तैयारी शुरू करना संभव है। अतिरिक्त प्रयास की आवश्यकता: कक्षा 11 से शुरुआत करने के लिए अधिक प्रयास की आवश्यकता होती है क्योंकि पाठ्यक्रम बदल गया है, और कक्षा 11 के विषय परीक्षा का हिस्सा हैं। कई टॉपर्स जल्दी शुरुआत करते हैं: जेईई में शीर्ष प्रदर्शन करने वाले अधिकांश छात्र 11वीं कक्षा में अपनी तैयारी शुरू करते हैं, जिससे उन्हें अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त समय मिलता है। समय सीमा : आपके पास लगभग 18 महीने होंगेतीन विषयों की तैयारी करें: भौतिकी, रसायन विज्ञान और गणित, प्रत्येक में लगभग 30 अध्याय। अध्ययन अनुसूची: इसका मतलब है कि आपके पास प्रत्येक अध्याय के लिए लगभग छह दिन होंगे, जिसमें अध्ययन करना, प्रश्नों का अभ्यास करना और दोहराना शामिल है, जो संभव है। फोकस और निरंतरता: आपकी तैयारी केंद्रित, सुसंगत और लक्ष्य-उन्मुख होनी चाहिए, खासकर क्योंकि कक्षा 12 बोर्ड परीक्षा, प्रैक्टिकल और असाइनमेंट जैसी अधिक चुनौतियाँ लाती है।

जल्दी शुरुआत करना एक स्मार्ट कदम है। कक्षा 11 में अपनी जेईई की तैयारी शुरू करने का लाभ उठाने का सबसे अच्छा तरीका एक जेईई कोचिंग संस्थान में शामिल होना है जो विशेष रूप से आपके आईआईटी सपनों को प्राप्त करने में मदद करने के लिए डिज़ाइन किया गया दो साल का कोचिंग कार्यक्रम प्रदान करता है। निष्कर्ष हम आशा करते हैं कि जेईई की तैयारी कब शुरू करें के संबंध में आपके प्रश्न और संदेह दूर हो गए होंगे। कक्षा 9वीं से अपनी जेईई की तैयारी शुरू करना आपको बढ़त और प्रतिष्ठित आईआईटी में सीट सुरक्षित करने की निश्चितता देने का सबसे अच्छा समय हो सकता है। विजय गर्ग सेवानिवृत्त प्रिंसिपल शैक्षिक स्तंभकार स्ट्रीट कौर चंद एमएचआर मलोट पंजाब

पूरा विश्व गुरु नानक देव की प्रभात फेरी में गुरबाणीमय हो रहा है

एडवोकेट किशन सनमुख़दास भावनानी

नानक जी के अनुसार ईश्वर कहीं बाहर नहीं, बल्कि हमारे अंदर ही है। तत्कालीन इब्राहीम लोदी ने इनको कैद तक कर लियाथा। आखिर में पानीपत की लड़ाई हुआ, जिसमें इब्राहीम हार गया और राज्य बाबर के हाथों में आ गया। तब इनको कैद से मुक्ति मिली। गुरुनानक जी के विचारों से समाज में परिवर्तन हुआ। नानक जी ने करतारपुर (पाकिस्तान) नामक स्थान पर एक नगर को बसाया और एक धर्मशाला भी बनवाई।

वैश्विक स्तरपर सारी दुनियाँ में धर्मनिरपेक्षता के लिए विख्यात भारत में हर धर्म जाति के त्यौहार उत्सव धार्मिक महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाए जाते हैं, उनमें से कई उत्सव ऐसे हैं जिन्हें वैश्विक स्तरपर भारत के निवासी मूल भारतीयों द्वारामनाए जाते हैं,उन्हीं में से एक गुरुनानक जयंती व प्रभात फेरी महोत्सव है।मैंने रविवार दिनांक 10 नवंबर 2024 को महाराष्ट्र ऑल इंडिया रेडियो पर शाम को मराठी भाषा में गुरु नानक देव जी का सत्संग व जीवनी का महिमा मंडन बड़े ध्यान से सुना तो मुझे यकीन हो गया कि यह पूरे देश में अलग अलग खूबसूरत भाषाओं में गुरु नानक देव जी का महिमा मंडन किया जा रहा होगा, फिर मैंनें अमेरिका में मेरे रिश्तेदार से फोन पर चर्चा की तो उन्होंने भी प्रभात फेरी व गुरु नानक जयंती मनाने की बात कही इसलिए आज मैंने प्रभात फेरी पर आर्टिकल लिखने की ठानी,क्योंकि मैं स्वयं भी गुरुद्वारे में जाता हूं इसलिए मैंनें ग्राउंड रिपोर्टिंग क़र इस विषय पर आर्टिकल लिखा।

चूँकि अभी 555 वीं गुरु नानक जयंती शुक्रवार दिनांक 15 नवंबर 2024 को है जोकि दीपावली के बाद से शुरू हुए कार्तिक मास में प्रतिदिन प्रातःकाल अमृतवेले की मधुर बेला पर सिख समाज व सिंधी समाज की ओर से दैनिक प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा है जिसमें धन गुरु नानक सारा जग तारिया और वाहेगुरु जी का खालसा वाहेगुरु जी की फतेह के नारों से हर राज्य हर शहर और अनेक देशों में वहां की धरती गूंज उठी है, और हो भी क्यों ना,क्योंकि15 नवंबर 2024 को गुरु नानकदेव जीका 555 वाँ अवतरण दिवस मनाया जाएगा, जिसकी खुशी से पूरा कार्तिक मास अनेक उत्सव के साथ मनाया जा रहा है इसी कड़ी में हमारे छोटे से गोंदिया शहर में भी रोज प्रातः कालीन अमृत वेले सिख समाज व सिंधी समाज द्वारा प्रभात फेरी निकालकर अलग-अलग क्षेत्र में के अंतर्गत भ्रमण कर प्यासी रूहों को तृप्त करने की कोशिश कर रहे हैं। चूंकि रोज प्रभात फेरी मेंभक्तगण आनंदित हो रहे हैं, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से और मेरी ग्राउंड रिपोर्टिंग के आधार पर हम चर्चा करेंगे, पूरे विश्व में बाबा गुरु नानक देव के 555 वें अवतरण दिवस 15 नवंबर 2024 के इंतजार में आंखें बिछाए भक्तगण। प्रातः काल अमृत वेले की मधुर बेला पर दैनिक प्रभात फेरी में धन गुरु नानक सारा जग उतारिए की गूंज।

साथियों बात अगर हम गुरुनानक देव जयंती के उपलक्ष में कार्तिक माह से लेकर प्रभात फेरी पर्व मनाने की करें तो, इस दिन प्रातः काल स्नान करके प्रभात फेरी की शुरुआत की जाती है। इसके साथ ही सिख समुदाय के लोग गुरुद्वारे में भजन और कीर्तन करते हैं। इसके साथ ही गुरु नानक जी को विशेष रूप से रुमाल भी सजाया जाता है। पूरे गुरुद्वारों को दीपों से सजाया जाता हैप्रार्थना सभा के बाद लंगर का आयोजन करने के साथ सेवा दान किया जाता है। इसके साथ ही गुरबाणी का पाठ किया जाता है।गुरु नानक देव के पावन प्रकाशोत्सव पर सिख समाज के लोगों ने दिवाली के चंद्र से लेकर प्रभात फेरी निकाली जाती है। प्रभातफेरी में सिख समुदाय सिन्धी समुदाय के महिला पुरुष एवं बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा ले रहें है। प्रभातफेरी गुरुद्वारों से निकलकर

नगर में भ्रमण करते हुए वापस गुरुद्वारा पहुंचर ही है। प्रभात फेरी में शामिल महिलाएं, बच्चे व बुजुर्ग ढोलक बजाते धन गुरु नानक, धन गुरु नानक की गूंज से माहौल भक्तिमय हो गया। संगत ने दुख भंजन तेरा नाम जी ठाकुर गाइए आतम रंग, मारेया सिक्का जगत विच नानक निर्मल पंथ चलाया, सब ते वड्डा सतगुर नानक जिन कल राखी मेरी आदि शबदों का गायन किया। इधर प्रकाश उत्सव के उपलक्ष्य में हर गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की ओर से हर कस्बे में प्रभातफेरी निकालजा रही है। रोजाना सुबह 4-5 बजे पूरे कस्बे में प्रभात फेरी 15 नवंबर तक निकाली जाएगी। प्रभातफेरी में गुरु नानक देवजी की महिमा का गुणगान किया जाता है। प्रभातफेरी गुरुद्वारा परिसर से शुरू होकर कस्बे के गली-मोहल्ले से होते हुए वापस गुरुद्वारा पहुंचकर समाप्त होती है। सिख समुदाय के लोगों का एक महत्वपूर्ण त्योहार है। यह पर्व गुरु नानक देव जी के जन्म दिवस के अवसर पर मनाया जाता है। कहा जाता है कि कार्तिक माह में शुक्ल पक्ष कि पूर्णिमा तिथि पर गुरु नानक देव जी का जन्म हुआ था। इस साल कार्तिक पूर्णिमा 15 नवंबर को है, इसलिए 15 नवंबर को ही सिख धर्म के पहले गुरु, गुरु नानक देव जी जयंती मनाई जाएगी। गुरु नानक देव की जयंती को गुरु पर्व और प्रकाश पर्व के रूप में मनाया जाता है। इस दिन सिख लोग गुरुद्वारे जाकर गुरुग्रंथ साहिब का पाठ करते हैं। गुरु पर्व पर सभी गुरुद्वारों में भजन, कीर्तन होता है और प्रभात फेरियां भी निकाली जाती हैं।

साथियों बात अगर हम प्रभात फेरी के इतिहास और महत्व की करें तो प्रभात फेरी का इतिहास काफी पुराना है। लेकिन खासतौर से सिख धर्म में प्रभात फेरी को अधिक अहमियत मिली है। आज भी न सिर्फ सिख बल्कि दूसरे समुदायों के लोग भी गुरुपूरब से पहले ही प्रभात फेरियां शुरू करते हैं, ताकि गली-गली घूमकर सिख गुरुओं की सीख को लोगों तक पहुंचाया जाए। तड़के-तड़के गुरुद्वारों से निशान साहिब लेकर जत्थे गलियों में निकलते हैं। जहां-जहां से प्रभात फेरी निकलती है वहां-वहां अब लोग चाय के साथ-साथ खाने-पीने के स्टॉल भी लगाते हैं।स्पेशल बैंड परफॉर्मेंस होती है। गतका अखाड़े परफॉर्म करते हैं। अब इन प्रभात फेरियों में हजारों लोग जुड़ने लगे कुछ लोगों का मानना है कि प्रभात फेरी का मकसद उन आलसी लोगों को सुबह समय से जगाना भी है जो अपने स्वार्थ के लिए भगवान को भूल चुके हैं। सुबह का समय भगवान को याद करने का होता है, ताकि आने वाला जीवन अच्छा बीते लेकिन कुछ लोग अपने आलस्य के चक्कर में आराधना से दूर होते जा रहे हैं।

साथियों बात अगर हम बाबा गुरुनानक देव की जीवनी की करें तो, गुरुनानक देव जी सिखों के प्रथम गुरु थें। इनके जन्म दिवस को गुरुनानक जयंती के रूप में मनाया जाता है। नानक जी का जन्म 1469 में कार्तिक पूर्णिमा को पंजाब (पाकिस्तान) क्षेत्र में रावी नदी के किनारे स्थित तलवंडी नाम गांव में हुआ। नानक जी का जन्म एक हिंदू परिवार में हुआ था। इनके पिता का नाम कल्याण या मेहता कालू जी था और माता का नाम तृप्ती देवी था। 16 वर्ष की उम्र में इनका विवाह गुरदासपुर जिले के लाखौकी नाम स्थान की रहने वाली कन्या सुलक्खनी से हुआ। इनके दो पुत्र श्रीचंद और लख्मी चंद थें।दोनों पुत्रों के जन्म के बाद गुरुनानक देवी जी अपने चार साथी मरदाना,लहणा , बाला और रामदास के साथ तीर्थयात्रा पर निकल पड़े। ये चारों ओर घूमकर उपदेश देने लगे। 1521 तक इन्होंने तीन यात्राचक्र पूरे किए, जिनमें भारत, अफगानिस्तान, फारस और अरब के मुख्य मुख्य स्थानों का भ्रमण किया।

पब्लिक एशियाः पत्र पंजीकरण संख्याः HARHIN/2011/40057, स्वामी मुकेश वत्स के लिए मुद्रक, प्रकाशक, स्वाति वर्मा ने पब्लिक एशिया E- 33, सैक्टर-7 नोएडा, गौतमबुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित करवाकर कार्यालय पब्लिक एशिया हाउस, शॉप नो.-8 ईदगाह रोड, नियर रेलवे स्टेशन, मॉडल टाउन, पानीपत, 132103, हरियाणा से प्रकाशित किया से प्रकाशित किया। E-mail: publicasia1989@gmail.com, website: www.publicasia.in, स्वाति वर्मा (संपादक), मुख्य कार्यालय : पब्लिक एशिया हाऊस 686 जी, न्याय खंड 2 इंदरापुरम गाज़ियाबाद(उ.प्र)। Mobile No. 8287879604, 9891945513, 0120-2605513 इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होगें।
वैधानिक सूचना-पाठकों को सलाह दी जाती है की किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह उपयुक्त जांच- पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापन के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

कृषि वैज्ञानिक किसानों को फसल विविधता के लिए प्रोत्साहित करें : भगवंत मान

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने दुनिया भर के कृषि वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों से अपील की कि वे किसानों के मार्गदर्शक बनें और उन्हें फसलों में विविधता अपनाने के लिए प्रेरित करें।

मुख्यमंत्री ने पंजाब कृषि विश्वविद्यालय लुधियाना में जलवायु और ऊर्जा परिवर्तन के मद्देनजर एग्रीफूड प्रणालियों में बदलाव पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि विशेष रूप से गेहूं-धान की फसल चक्र के कारण पंजाब की संवेदनशील स्थिति को देखते हुए कृषि पर जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों को दूर करने की तुरंत आवश्यकता है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि टिकाऊ कृषि और उच्च उत्पादन के साथ-साथ मिट्टी की पोषक क्षमता बढ़ाने के लिए फसलों में विविधता लाना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में मौजूद वैज्ञानिकों से आग्रह किया कि वे राज्य में फसलों की विविधता को अपनाने के लिए किसानों को मार्गदर्शन देने के लिए अधिक से अधिक प्रयास करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वैज्ञानिकों की जिम्मेदारी है कि वे पंजाब के कृषि क्षेत्र की समृद्धि सुनिश्चित करने के लिए टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने के लिए हमारे किसानों का मार्गदर्शन करें। जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को हल करने की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि यदि ऐसा नहीं किया गया, तो हमारी आने वाली पीढ़ियों को इसके गंभीर परिणाम भुगतने पड़ेंगे। भगवंत सिंह मान ने कहा कि इस मुद्दे का समाधान न होने की स्थिति में आने वाली पीढ़ियां निःसंदेह हमें ही इसके लिए जिम्मेदार ठहराएंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि समय अपनी गति से चल रहा है और हम सभी के लिए यह आवश्यक है कि हम जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए सक्रिय कदम उठाएं। इस संदर्भ में उन्होंने चौंकाने वाले और चिंताजनक आंकड़ों का हवाला देते हुए कहा कि एक किलो चावल उगाने के लिए 3000 लीटर पानी की आवश्यकता होती है और जो मोटरें खाड़ी देशों में पेट्रोल निकालने के लिए इस्तेमाल की जाती हैं, वही मोटरें राज्य में भूजल निकालने के लिए इस्तेमाल की जा रही हैं। भगवंत सिंह मान ने कहा कि यह चिंताजनक प्रवृत्ति पांच नदियों की भूमि पंजाब के अस्तित्व के लिए खतरे की घंटी है। मुख्यमंत्री ने इस संकट से निपटने के लिए जल संरक्षण वाली वैकल्पिक फसलों को अपनाने की वकालत की ताकि राज्य के कृषि क्षेत्र को बचाया जा सके।

परिवार का सहयोग, समर्पित कार्य भावना और अच्छी संगति व्यक्ति को किसी भी परिस्थिति में निराश नहीं होने देती : महिपाल ढांडा

आई.बी.महाविद्यालय में 45वें इंटर जोनल युवा महोत्सव का हुआ शानदार आगाज़

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » मंगलवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र द्वारा प्रायोजित 12 से 14 नवम्बर को होने वाले 45वें इंटर जोनल युवा महोत्सव का जीटी रोड स्थित आई.बी.महाविद्यालय में शानदार आगाज़ हुआ। हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा, समालखा विधानसभा क्षेत्र से विधायक मनमोहन भडाना, कु वि, कु के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के निदेशक प्रो विवेक चावला तथा आई.बी.(एल) सोसायटी तथा आई.बी. महाविद्यालय की प्रबंधन समिति के प्रधान धर्मबीर बत्रा, उपप्रधान बलराम नंदवानी, महासचिव लक्ष्मी नारायण मिगलानी, प्रबंधन समिति के सदस्य, प्राचार्य डॉ. अजय कुमार गर्ग, उपप्राचार्या डॉ. शशि प्रभा, सांस्कृतिक समिति के संरक्षक डॉ. निधान सिंह व संयोजिका डॉ. सुनीता ढांडा तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने दीप प्रज्वलन कर महोत्सव का शुभारम्भ किया। अतिथियों का स्वागत स्मृति चिन्ह, शाल तथा पौधे भेंट कर किया गया। प्राचार्य डॉ.अजय गर्ग ने कहा कि हमारे महाविद्यालय परिवार के लिए यह अत्यंत प्रसन्नता और गर्व का विषय है कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने हमें इतनी बड़ी जिम्मेदारी के निर्वहन का मौका दिया है, इस भरोसे के लिए उन्होंने कु.वि, कु. के कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा का विशेष धन्यवाद किया। अपने स्वागत वक्तव्य में उन्होंने कहा कि प्रदेश के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा स्थानीय आर्य महाविद्यालय के विद्यार्थी रहे हैं। विद्यार्थी जीवन में इन्होंने कुशल नेतृत्व तथा राजनैतिक सूझ-बूझ का परिचय दिया। विद्यार्थी जीवन से शुरू हुए इस सफर को इन्होंने अपनी प्रतिबद्धता के बल पर आज ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। डॉ. गर्ग ने विशेष अतिथियों, गणमान्य व्यक्तियों तथा विभिन्न महाविद्यालयों से आए प्राचार्यों, टीम संयोजकों, मीडिया तथा विद्यार्थियों का विशेष स्वागत किया।

शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने शिक्षा तथा संस्कृति के समन्वय का समाज विकास में महत्त्व पर बल देते हुए कहा कि हमारी गौरवशाली संस्कृति की समृद्ध परम्परा को जीवित रखने तथा उसके प्रसार के लिए इस तरह के जीवंत कार्यक्रम लगातार होते रहने चाहिए ताकि शिक्षा तथा संस्कृति के संतुलित तालमेल से युवा वर्ग समाज को नई दिशा देता रहे। उन्होंने विद्यार्थियों को राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिभागिता के लिए प्रेरणा तथा शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रतिभागियों का इन कार्यक्रमों में प्रतिभागिता का उद्देश्य सिर्फ जीत हासिल करना ही नहीं होना चाहिए। इस तरह के कार्यक्रम उनमें प्रेरणा, संतुलन तथा साहस जैसे गुण पैदा कर कौशल विकास करते हैं। सार्थक, सफल जीवन के मूलमंत्र सांझा करते हुए उन्होंने कहा कि परिवार का साथ, एकनिष्ठ कर्म भावना तथा अच्छी संगति मनुष्य को किसी भी परिस्थिति में निराश नहीं होने देते। किसी भी कार्य को करने से पहले अगर हम अपने अंतर्मन की आवाज सुनेंगे और उसका निर्णय परिवार को केन्द्र में रखकर करेंगे तो जीवन बहुत सुगमता व सुंदरता से व्यतीत होगा। उन्होंने कहा कि शिक्षा विभाग में दाखिले तथा परीक्षा परिणाम संबंधी समस्याओं को जल्द हल किया जाएगा तथा शिक्षा व्यवस्था में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे।

इस महोत्सव में कु वि, कु के युवा एवं सांस्कृतिक विभाग के निदेशक प्रो विवेक चावला, कु वि कु की सांस्कृतिक परिषद के अध्यक्ष तथा आर्य महाविद्यालय, पानीपत के प्राचार्य डॉ जगदीश गुप्ता, युवा एवं सांस्कृतिक विभाग से हरविन्द्र राणा, मारकण्डा नेशनल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अशोक चौधरी कु वि, कु से पर्यवेक्षक के रूप में तथा कुलपति के प्रतिनिधि डॉ.आनन्द कुमार आदि ने महोत्सव को गति देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई।

वहीं इस अवसर पर समालखा विधानसभा क्षेत्र के विधायक मनमोहन भड़ाना, स्थानीय सांसद प्रतिनिधि गजेन्द्र सलुजा, प्रसिद्ध व्यवसायी तथा सामाजिक कार्यकर्ता अनिल धमीजा, अतुल मित्तल तथा नीतेश मित्तल, आई.बी.(एल) सोसायटी तथा आई.बी.महाविद्यालय प्रबंधन समिति से परमवीर ढींगरा, रवि गोंसाई, युधिष्ठिर मिगलानी, रमेश नागपाल, अशोक मिगलानी, राधेश्याम खुंगर मुख्य रूप से उपस्थित रहे। आपको बता दें कि मंगलवार पहले दिन 34 महाविद्यालयों की 108 टीमों ने 18 विधाओं- कॉरियोग्राफी, माइम, हरियाणवी आरकेस्ट्रा, समूह नृत्य, समूह गीत, एकल नृत्य, रिचुअल्स, संस्कृत नाटक, वाद्ययंत्र वादन, हरियाणवी लोकगीत, लोक वाद्ययंत्र वादन, पेंटिंग, पोस्टर, रंगोली, प्रश्नोत्तरी, सांग आदि विधाओं में प्रस्तुति दी। सभी प्रस्तुतियों का सीधा प्रसारण तीनों दिन महाविद्यालय के यू ट्यूब चैनल पर जारी रहेगा। मेदांता अस्पताल, गुरूग्राम द्वारा प्राथमिक चिकित्सा की सुविधा की व्यवस्था की गई है।

प्रतियोगिता में प्रथम दिन के परिणाम इस प्रकार रहे

प्रतियोगिता का नाम	प्रथम	द्वितीय	तृतीय
पोस्टर मेकिंग	एस. डी. कॉलेज अम्बाला कैंट	आर्य कॉलेज पीजी कॉलेज, पानीपत	UTD
ऑन द स्पॉट पेंटिंग	UTD	आई. जी महिला	एस. डी. कॉलेज अम्बाला कैंट
रंगोली	आर्य कन्या महाविद्यालय, शाहाबाद	आर्य कॉलेज पीजी कॉलेज, पानीपत	UTD
ग्रुप सॉंग हरियाणवी	एस. डी . कॉलेज, पानीपत	UTD	1. आर्य कॉलेज पीजी कॉलेज, पानीपत 2. Ch. I. S. कन्या महाविद्यालय, फतेहपुर पुण्डरी, कैथल
क्लासिकल इंस्ट्रुमेंटल सोलो (P)	UTD	एस. डी . कॉलेज, पानीपत	एस. डी. कॉलेज अम्बाला कैंट
क्लासिकल इंस्ट्रुमेंटल सोलो (NP)	UTD	आर्य कॉलेज पीजी कॉलेज, पानीपत	गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज, यमुनानगर
कोरियोग्राफी	एस. डी . कॉलेज, पानीपत	गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज, यमुनानगर	आई. बी. (पी. जी) महाविद्यालय, पानीपत

चिकित्सा के क्षेत्र में रिसर्च का दृष्टिकोण रखना जरूरी : बंडारू दत्तात्रेय

चिकित्सक को जनता मानती है भगवान का रूप - भारत पूर्ण रूप से विकसित बनाने में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका जरूरी

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » हरियाणा के महामहिम राज्यपाल श्री बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि डॉक्टर को जनता भगवान का रूप मानती है। ऐसे में डॉक्टर को अपने पेशे को समाज सेवा का माध्यम मानना चाहिए। उन्होंने कहा कि सेवा भाव से किए हुए कार्य से परिवार में अपने आप समृद्धि आती है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा के क्षेत्र में रिसर्च के दृष्टिकोण को अपना जरूरी है, जो देश व समाज तरक्की के लिए जरूरी है।महामहिम राज्यपाल श्री दत्तात्रेय मंगलवार को पंडित भगवत दयाल शर्मा स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय चतुर्थ दीक्षांत समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। समारोह में महानिदेशक सशस्त्र सेना चिकित्सा सेवाएं एवीएसएम वीएसएम सर्जन वाइस एडमिरल डॉ. आरती सरीन विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुई, जिनको राज्यपाल द्वारा होनोरिस कौसा की डिग्री से सम्मानित किया गया। समारोह में राज्यपाल ने चिकित्सा संस्थान से उत्तीर्ण 5806 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की।

उन्होंने कहा कि यह बड़े हर्ष और गौरव की बात है कि जिन विद्यार्थियों ने डिग्री प्राप्त की है उनमें 3484 लड़कियां हैं। इसके साथ ही जिन 32 विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए हैं, उनमें 23 लड़कियां हैं। उन्होंने चिकित्सा की डिग्री हासिल करने वाले और स्वर्ण पदक प्राप्त करने वालों को अपनी तरफ से शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि डिग्री हासिल करने का दिन छात्र जीवन में बहुत महत्वपूर्ण और यादगार दिन होता है यह कड़ी मेहनत का परिणाम है और इसके पीछे परिजनों का बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने कहा कि डिग्री हासिल करने से पहले केवल पढ़ाई का कार्य होता है लेकिन जिस दिन डिग्री हाथ में आ जाती है, उसी दिन से नया रास्ता तलाशना पड़ता है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा एक सामान्य पेश ना होकर बहुत बड़ा पेशा है और समाज सेवा का सबसे बड़ा माध्यम है।

राज्यपाल ने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए स्वस्थ शरीर के साथ शांत चित्त और आत्मिक शांति जरूरी है। आत्मिक शांति तभी आती है जब स्वास्थ्य सही रहता है। उन्होंने कहा कि भारतीय प्राचीन चिकित्सा जगत में आयुर्वेद का बहुत बड़ा योगदान है। नियमित रूप से योग, प्राणायाम और व्यायाम करके हम ना केवल निरोगी रह सकते हैं बल्कि हमारा मन भी शांत रहता है, जो आज के समय में सबसे जरूरी है। उन्होंने डिग्री हासिल करने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि वे केवल डिग्री हासिल करने तक अपने आप को संतुष्ट न माने, उनको निरंतर आगे बढ़ना है और नई रिसर्च का दृष्टिकोण अपनाना है। नई रिसर्च के दृष्टिकोण से ही देश आगे बढ़ेगा और उसी से समाज में समृद्धि आएगी। उन्होंने विद्यार्थियों से आह्वान किया कि वे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2047 तक भारत को पूर्ण रूप से विकसित बनाने के लक्ष्य में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें।

इस अवसर पर उपस्थित चिकित्सकों व विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि वे ज्यादा से ज्यादा ज्ञान प्राप्त करें और ज्यादा से ज्यादा जनता की सेवा करें। आज हमें दो बड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श करने की आवश्यकता है। सबसे पहले, हमें अपनी प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को बढ़ाना होगा और अपनी माध्यमिक स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को बढ़ाना होगा। दूसरे, हमें ऐसी तकनीक पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में सुधार करेगी। पिछले दशक में, हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में भारत ने चिकित्सा शिक्षा में उल्लेखनीय विकास देखा है। देश में स्नातक और स्नातकोत्तर सीटों की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है और हमारा देश वर्तमान में हर साल एक लाख से अधिक स्नातक छात्रों और लगभग 70 हजार स्नातकोत्तर चिकित्सा छात्रों को प्रशिक्षित कर रहा है। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने कहा कि मेडिकल स्नातकों और स्नातकोत्तरों को प्रशिक्षित करने में इस विश्वविद्यालय की भूमिका और समाज के प्रति उनके योगदान को उजागर करना उचित है। उन्होंने कहा कि डिजिटल इंडिया के इस युग में, स्वास्थ्य सेवा में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एआई, जैसी नवीन तकनीकों का एकीकरण अब एक दूर की संभावना नहीं बल्कि वर्तमान वास्तविकता है। एआई में रोगी देखभाल, निदान और उपचार योजनाओं में क्रांति लाने की क्षमता है। यह विशाल मात्रा में डेटा का विश्लेषण करने, परिणामों की भविष्यवाणी करने और व्यक्तिगत देखभाल प्रदान करने की हमारी क्षमता को बढ़ा सकता है।

बच्चों की जान जोखिम में डाल स्कूल संचालक कर रहा था मियाद पूरी होने के बावजूद बसों का उपयोग, आयोग ने हजारों का चालान कर किया सीज

हरियाणा राज्य बाल संरक्षण अधिकार आयोग सदस्यों ने किया समालखा उपमंडल के तीन स्कूलों का औचक निरीक्षण

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » हरियाणा राज्य बाल संरक्षण अधिकार आयोग के सदस्यों ने मंगलवार को जिले के स्कूलों में उच्च न्यायालय की हिदायतों के तहत सुरक्षा वाहन पोलिसी को लेकर उपमंडल समालखा के आशा दीप, लोर्ड कृष्णा पब्लिक स्कूल व एच.के इंटरनेशनल स्कूल का औचक निरीक्षण कर ठोस कार्यवाही करते हुए 15 बसों के गलत तरीके से संचालन करने व स्कूल में पॉलिसी के नार्म की पालना ना करने को लेकर 48 हजार तक के चालान किए। वहीं आशा दीप स्कूल का एक व लार्ड कृष्णा में दो स्कूल बसों के चालान भी मौके पर किए गए। निरीक्षण में हरे कृष्णा इंटरनेशनल स्कूल की दस बसों के चालान के अलावा स्कूल के दो वाहनों को मौके पर सीज भी किया गया। आयोग सदस्यों ने स्कूल संचालकों को चेताया कि यदि सुरक्षा वाहन पोलिसी को जमीनी स्तर पर लागू नहीं किया गया तो आयोग 1 दिसंबर के बाद और सख्त कार्यवाही करेगा।

आयोग के सदस्य अनिल कुमार व श्याम शुक्ला ने अपने इस औचक निरीक्षण से पूर्व पुलिस विभाग, शिक्षा विभाग और आरटीए की एक मजबूत टीम बना कर चिंतन कर समालखा उपमंडल के तीन स्कूलों का औचक निरीक्षण किया व 15 बसों के फिटनस, टैक्स, पोल्यूशन, फायर व वाहन की समाप्ती से संबंधित दस्तावेजों की जांच

की। जांच में पाया गया कि जो वाहन अपनी मियाद पूरी कर चुके हैं उनका प्राईवेट स्कूल संचालक धड़ल्ले से उपयोग कर सरकार को चुना लगा रहे हैं व बच्चों की जान जोखिम में डाल कर अपने व्यवसाय का आगे बढ़ा रहे हैं। स्कूल संचालकों ने आयोग के सदस्यों को गुमराह करने का प्रयास भी किया लेकिन अधिकारियों की पकड़ से अपने आप को नहीं बचा सके।

इस औचक निरीक्षण में आयोग के सदस्यों ने वाहनों में लगाए गए जीपीएस, स्पीड गवरनर, कैमरें, फस्टेड बॉक्स वाहनों पर लिखी सुरक्षा संबंधित सूचनाओं की जांच की। इस दौरान फायर विभाग के अधिकारियों ने स्कूल के ड्राईवरों को फायर संबंधित प्रशिक्षण भी दिया। आयोग के सदस्य अनिल कुमार ने निरीक्षण के दौरान स्कूल बसों की चैसी नम्बरों की भी जांच की।

आयोग सदस्य अनिल कुमार ने बताया कि स्कूलों के सभी ड्राईवरों के पास आई कार्ड, ड्राईविंग लाईसैंस का होना जरूरी है। किसी भी स्कूल में प्रिंसीपल के कमरें में पर्दे लगे नहीं होने चाहिए अन्यथा सख्त कार्यवाही की जायेगी। सभी बस ड्राईवर बसों में बच्चों का स्कूल परिसर से बच्चों को बिठायेंगे व वहीं पर वापस उतारेंगे। उन्होंने दैनिक रजिस्ट्र की भी जांच की। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बसों के रूट ना लगाने वाले बोर्ड को भी लगाने के स्कूल संचालकों को निर्देश दिए। इस मौके पर उनके साथ जिला बाल संरक्षण अधिकारी निधि गुप्ता, जिला शिक्षा अधिकारी राकेश बूरा, आरटीए नीरज जिंदल, ज्योति, ट्रैफिक इंचार्ज लक्की, प्रेम सिंह, फूल सिंह आदि मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

भिवानी जंक्शन पर कार्य के कारण गाड़ियां सिटी रेलवे स्टेशन से जायेंगी

एजेंसी

भिवानी » हरियाणा में भिवानी रेलवे जंक्शन पर कार्य के कारण 16 से 26 नवंबर तक हिसार से आने वाली रेलगाड़ियां वाया भिवानी-रोहतक दिल्ली की दिशा में जाने वाली रेलगाड़ियों को भिवानी जंक्शन पर प्र-स्थान और आगमन न करके भिवानी सिटी स्टेशन से होकर जायेंगी। यह जानकारी भिवानी सिटी रेलवे स्टेशन के प्रभारी संजीव कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि भिवानी जंक्शन पर प्लेटफार्म नंबर एक पर नयी रेल लूप लाइन का कार्य किया जाना है, जिसके लिये रेलवे विभाग द्वारा भिवानी और हिसार से रोहतक को दिल्ली की तरफ जाने वाली रेलगाड़ियों को भिवानी सिटी होकर आगमन और प्रस्थान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इससे रेलवे सेवा 16 नवंबर से 26 नवंबर तक प्रभावित होगी।

सुक्खू ने श्री रेणुका जी मंदिर में की पूजा-अर्चना

शिमला » हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने मंगलवार को जिला सिरमौर में श्री रेणुका झील की नैसर्गिक सुन्दरता को निहारा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने तीन किलोमीटर पैदल चलकर प्रकृति के सान्निध्य का आनन्द उठाया। वह मंदिर में आए श्रद्धालुओं से गर्मजोशी से मिले और उनके साथ सेल्फी भी खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने श्री रेणुका जी मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के उत्तम स्वास्थ्य और उज्ज्वल भविष्य की कामना भी की। श्री सुक्खू ने जिला प्रशासन को स्थानीय लोगों, श्रद्धालुओं और पर्यटकों की सुविधा के लिए बेहतर व्यवस्था प्रबन्धन करने के निर्देश दिए। विधायक अजय सोलंकी, विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष गंगू राम मुसाफिर, कांग्रेस नेता दयाल प्यारी, उपायुक्त सुमित खिमटा और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

पंजाब विज़न : 2047' कॉनक्लेव; वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा सहकारी फेडरालिज्म और संरचनात्मक सुधारों पर बल

राघव चड्ढा ने एक सशक्त और प्रगतिशील पंजाब की रचना के लिए 10 महत्वपूर्ण क्षेत्रों पर प्रकाश डाला

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़, » पंजाब के वित्त, योजना, आबकारी और कराधान मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने आज यहां कहा कि केंद्र सरकार को सहकारी फेडरलिज्म और संरचनात्मक सुधारों पर जोर देना चाहिए। पंजाब विश्वविद्यालय में वर्ल्ड पंजाबी संस्था द्वारा आयोजित %पंजाब विज़न» 2047% कॉनक्लेव के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि देश 2047 के अपने विकास लक्ष्यों को तभी प्राप्त कर सकता है जब सभी राज्य विकास की दिशा में मिलकर आगे बढ़ें।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा कि भारत 2047 में स्वतंत्रता के 100 वर्ष मनाएगा और भारत सरकार को ऐसे समाधान निकालने चाहिए जिससे कोई भी राज्य इस यात्रा में पीछे न रह जाए। उन्होंने वर्तमान जीएसटी प्रणाली के कारण राज्यों को होने वाले महत्वपूर्ण वित्तीय नुकसानों पर ध्यान केंद्रित करते हुए जीएसटी, कृषि, पर्यावरण और औद्योगिक नीतियों आदि में सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि जीएसटी प्रणाली के गंतव्य और उपभोक्ता आधारित होने के कारण पंजाब को काफी वित्तीय नुकसान हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) प्रणाली को लागू करने के बाद राज्य के खरीद कर को जीएसटी में शामिल कर लिया गया था, जिससे पंजाब को वार्षिक राजस्व में लगभग 5,000 से 7,000 करोड़ रुपये का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

वित्त मंत्री चीमा ने 'पंजाब विज़न : 2047' पहल की सराहना करते हुए कहा कि सम्मेलन में होने वाले विचार-विमर्श और प्राप्त निष्कर्षों से राज्य के सर्वांगीण विकास को सुनिश्चित करने के लिए नीतियों का खाका तैयार करने में मदद मिलेगी। उन्होंने औद्योगिक विकास नीति, साहसिक पर्यटन नीति, जल पर्यटन

नीति, जैव ईंधन नीति आदि के रूप में पंजाब सरकार की सक्रिय पहल का भी उल्लेख किया जो इन क्षेत्रों के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए आवश्यक नियामक ढांचे को लाने के लिए लागू की गई हैं। पंजाब के ऐतिहासिक योगदान को उजागर करते हुए कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने हरित क्रांति और 1962 में कृषि विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख किया, जिससे देश के खाद्यान्न भंडारों में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई। उन्होंने 1980 के बाद के चुनौतीपूर्ण दौर में आई कठिनाइयों का भी जिक्र किया, लेकिन साथ ही आम आदमी पार्टी के शासन में राज्य के वर्तमान विकास की बात करते हुए उज्जवल भविष्य की उम्मीद जताई।

अपने भाषण में राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने 2047 में भारत की स्वतंत्रता की 100वीं वर्षगांठ के अवसर पर पंजाब के लिए एक दूरदर्शी रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की। उन्होंने एक ऐसे भविष्य की कल्पना की जिसमें पंजाब सतत कृषि, आर्थिक विविधता, शिक्षा, हरित ऊर्जा, बुनियादी ढांचा और सामाजिक समानता के क्षेत्रों में देश के एक अग्रणी राज्य के रूप में उभरेगा।

राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा ने उन दस महत्वपूर्ण क्षेत्रों को उजागर किया जो 2047 में पंजाब के इस दृष्टिकोण की नींव बनाएंगे - पहला; सतत कृषि और पर्यावरणीय स्थिरता, दूसरा; आर्थिक विविधता और औद्योगिक विकास, तीसरा; शिक्षा, कौशल और कार्यबल विकास, चौथा; ऊर्जा और पर्यावरणीय स्थिरता, पांचवां; बुनियादी ढांचा और संपर्क, छठा; शासन, सामाजिक समानता और नागरिक भागीदारी, सातवां; स्वास्थ्य, स्वच्छता और जन सेवाएं, आठवां; वित्तीय रणनीति और आर्थिक स्थिरता, नौवां; नवाचार, उद्यमिता और वैश्विक संपर्क, और दसवां; आपदा प्रबंधन क्षमता और जलवायु अनुकूलन। उन्होंने जोर देकर कहा कि भविष्य की चुनौतियों और अवसरों का सामना करने के लिए तैयार एक सशक्त और प्रगतिशील पंजाब की रचना के लिए ये दस क्षेत्र आवश्यक हैं।

इससे पहले, राज्यसभा सदस्य और वर्ल्ड पंजाबी संस्था के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रमजीत सिंह साहनी ने पंजाब विज़न : 2047' कॉनक्लेव का आरंभ करते हुए सहयोगात्मक संवाद और गहन विचार-विमर्श के लिए एक मंच के रूप में इसकी भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्देश्य ऐसा मंच तैयार करना है जहां पंजाब के भविष्य को संवारने के लिए विभिन्न दृष्टिकोण एक साथ आ सकें। उन्होंने कहा कि सरकारी अधिकारियों, औद्योगिक क्षेत्र की हस्तियों, शिक्षाविदों और सिविल सोसाइटी के सदस्यों सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञों को मंच प्रदान कर इस आयोजन का उद्देश्य सार्थक विचार-विमर्श को प्रोत्साहित करते हुए, अवसरों की पहचान करना और समावेशी, सतत विकास प्राप्त करने के लिए पंजाब की प्रगति हेतु रणनीति तय करना है।

पंजाब विश्वविद्यालय की कुलपति रेनू विज ने पंजाब के विकास में शैक्षणिक संस्थानों, विशेषकर उच्च शिक्षा संस्थानों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न कारणों से अन्य राज्यों या देशों में प्रवास करने वाले युवा पंजाबियों के गंभीर मुद्दे पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर प्रो. वाई. पी. वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया।

मुख्य समाचार

दो दिवसीय जिला स्तरीय तलवार प्रतियोगिता का समापन समारोह

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » रोहतक में 11 व 12 नंवबर को दो दिवसीय जिला स्तरीय तलवार प्रतियोगिता का समापन समारोह विक्रमादित्य गलोबल स्कूल मोरखेड़ी में आयोजित किया गया। इस प्रतियोगिता में सब जूनियर, जूनियर व सीनियर खिलाड़ियों ने बढ़चढक़र भाग लिया। इस समापन समारोह की अध्यक्षता विक्रमादित्य गलोबल स्कूल के निदेशक विक्रम देशवाल ने की। उन्होंने सभी खिलाडियों को मेडल देकर सम्मानित किया और कहा कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए साथ ही उन्होंने कहा कि खेलों के माध्यम से भी विद्यार्थी अपना कैरियर बना सकते है। इस तलवार बाजी प्रतियोगिता में जूनियर ईपी इवेंट लडक़ी विंग में तनुजा ने गोल्ड, खुशबू ने सिल्वर व तनवी ने ब्राज मैडल जीता। जूनियर ईपी इवेंट लडक़े विंग में गौरव ने गोल्ड, जतिन ने सिल्वर, प्रिंस व युगांक ने ब्राज मैडल जीता। फाइनल इवेंट में सौरव ने गोल्ड, रूस्तम ने सिलवर, यश पंघाल ने ब्राज मैडल जीता। सीनियर वर्ग के ईपी इवेंट लडक़ी विंग में तनु गुलिया ने गोल्ड, तनुजा ने सिल्वर, भावना व मीनाक्षी ने ब्राज मैडल जीता। सीनियर वर्ग के ईपी इवेंट लडक़े विंग में लोकेश ने गोल्ड, गौरव ने सिल्वर, जतिन व प्रिंस ने सिल्वर मैडल जीता। इस अवसर पर जिला सचिव देवन्द्र डबास, प्रधान राजेश ओहल्याण, कोषाध्यक्ष राजेश कुमार, भगता पहलवान, जतिन फौजी, मोहित निम्बडिया, गौरव, और सुनील कुमार उपप्रधान आदि उपस्थित रहे।

देश के सबसे प्रदूषित शहर में चंडीगढ़ भी, हरकत में आया प्रशासन, सड़कों पर उतारी एंटी स्मॉग गन

चंडीगढ़ » सिटी ब्यूटीफुल के नाम से मशहूर शहर चंडीगढ़ की हवा जहरीली हो गई है। हवा में प्रदूषण इतना ज्यादा बढ़ गया है कि शहर की हवा सांस लेने लायक भी नहीं बची है। आलम यह है कि एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआई) में देश के सबसे पांच खराब शहरों में सिटी ब्यूटीफुल का नाम भी है। वहीं, अब नगर निगम और प्रशासन हरकत में आया है और मंगलवार को शहर के कई सेक्टरों में पानी की बौछार की गई हैं। मंगलवार को चंडीगढ़ का एयर क्वालिटी इंडेक्स करीब 349 दर्ज किया गया है। इसलिए शहर के विभिन्न सेक्टरों और आसपास के एरिया में एंटी स्मॉग गन से पानी की बौछार की गई हैं, ताकि धूल मिट्टी न उड़े और शहर की हवा में प्रदूषण के कण कम हो सके। नगर निगम ने सेक्टर-37, सेक्टर-9, 10, 16, 17 सहित अन्य सेक्टरों में भी एंटी स्मॉग गन से पानी की बौछारें की हैं। दिवाली के बाद से ही शहर में खराब प्रदूषण रिकॉर्ड किया जा रहा है। शहर का दो दिन पहले एक्यूआई 329 तक दर्ज किया गया था, जो कि बहुत खराब श्रेणी में आता है। यह स्थिति शहरवासियों, खासकर बच्चों, बुजुर्गों और अस्थमा जैसी बीमारियों से ग्रस्त लोगों के लिए स्वास्थ्य खतरे का कारण बन सकती है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रदूषण के इस स्तर के पीछे दिवाली पर छोड़े गए पटाखों का धुआं, पराली जलाने से उत्पन्न स्मॉग और सर्दियों की शुरुआत में मौसम की स्थिति जैसे कारण जिम्मेदार हैं। शहर में बढ़ता निर्माण कार्य, वाहन प्रदूषण और उद्योगों से निकलने वाले धुएं ने भी इस समस्या को और बढ़ाया है। विशेषज्ञों का कहना है कि प्रदूषण का यह स्तर लंबे समय तक रहने पर स्वास्थ्य पर गंभीर असर डाल सकता है। जहरीली हवा में मौजूद छोटे-छोटे प्रदूषण के कण सांस के माध्यम से फेफड़ों में पहुंच जाते हैं, जिससे सांस लेने में परेशानी, खांसी, आंख और गले में जलन जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

हरियाणा में मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत फ्लैट्स का आवंटन शीघ्र

पब्लिक एशिया ब्यूरो

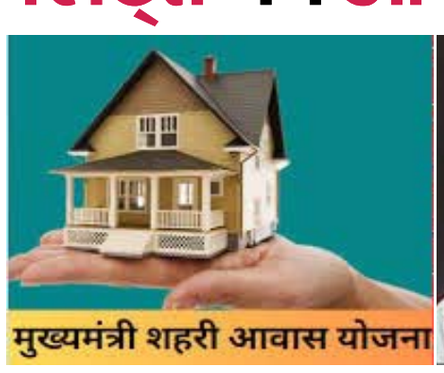

चंडीगढ़ » हरियाणा में 2 लाख लोगों के अपने घर का सपना जल्द साकार होने वाला है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की सरकार योजना का खाका तैयार कर रही है। योजना के तहत जमीन से वंचित पात्र प्रार्थियों को गांवों में 100-100 वर्ग गज के भूखंड दिए जाएंगे। इस संबंध में हाउसिंग फॉर ऑल विभाग के महानिदेशक जे गणेशन ने विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत आठ जिलों में 6618फ्लैट्स का आवंटन भी शीघ्र किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना का उद्देश्य प्रदेश में गरीब परिवारों को आवास के लिए प्लॉट प्रदान करना है ताकि वे अपना खुद का घर बना सकें। योजना के धरातल पर क्रियान्वयन से गरीब परिवारों के जीवन स्तर में सुधार होगा और वे अपना घर बनाकर सुरक्षित व सम्मानित जीवन जी सकेंगे। जे गणेशन ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि यह योजना मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की फ्लैगशिप योजना है, इसलिए इस योजना के तहत सभी प्रक्रियाओं को जल्द से जल्द पूरा किया जाए, ताकि आमजन को इसका लाभ जल्दी मिल सके।

उल्लेखनीय है कि बीते शुक्रवार को ही मुख्यमंत्री ने इस संबंध में उच्चाधिकारियों के साथ बैठक की थी, जिसमें विकास एवं पंचायत मंत्री कृष्ण लाल पंवार और शहरी स्थानीय निकाय मंत्री विपुल गोयल भी उपस्थित थे। इस बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए थे कि जहां यह 100-100 गज के प्लॉट दिए जाएंगे, उन कॉलोनियों में शहरों की तर्ज पर सभी बुनियादी सुविधाएं जैसे पक्की सड़कें, बिजली, स्वच्छ पेयजल, स्ट्रीट लाइट, सौर ऊर्जा, पार्क और ओपन ग्रीन स्पेस जैसी सभी भौतिक सुविधाएं सुनिश्चित की जाएं। इतना ही नहीं, 100-100 वर्ग गज के प्लॉट पर लाभार्थियों को मकान बनाने में किसी प्रकार की परेशानी न आए, इसके लिए भी सरकार ने प्रावधान किया है, जिसके अंतर्गत लाभार्थियों को घर बनाने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के तहत वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाएगी।

मुख्यमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत प्रदेश में 5 लाख लोगों ने प्लॉट के लिए आवेदन किया था। इन सभी योग्य लाभार्थियों को अलग-अलग चरणों में 100-100 वर्ग गज के प्लॉट दिए जाएंगे। इसी कड़ी में जल्द 2 लाख लोगों को मुख्यमंत्री सौगात देंगे।

बैठक में जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के अंतर्गत 14 शहरों में जिन लाभार्थियों को प्लॉट आवंटित किए गए थे, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना से जोड़कर मकान बनाने के लिए 2.50 लाख रुपये की वित्तीय सहायता भी उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री आवास योजना के अंतर्गत सभी 14 शहरों में जहां प्लॉट आवंटित किए गए थे, वहां लगभग 170 करोड़ रुपये की लागत से ढांचागत विकास कार्यों का शुभारंभ भी मुख्यमंत्री द्वारा जल्द ही किया जाएगा। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा इस काम के लिए अनुमान तैयार किए जा चुके हैं।

बैठक में जानकारी दी गई कि मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत फ्लैट लेने के लिए पंजीकृत आवेदकों को पहले चरण में 8 जिलों में निजी विकासकर्ताओं द्वारा ईडब्ल्यूएस श्रेणी के लिए बनाए गए 6618 फ्लैट्स का आवंटन भी शीघ्र करने का निर्णय लिया गया है। इसके अलावा, सेक्टर 23 जगाधरी में मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के 2000 लाभार्थियों को मकान निर्माण शुरू करने के लिए प्लॉट का कब्जा दिया जाएगा। हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा यहां सभी भौतिक सुविधाएं उपलब्ध करवा दी गई हैं।

हरियाणा के आठ जिलों में प्रति एकड़ गेहूं की बुआई पर 3600रूपए अनुदान की योजना

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » हरियाणा सरकार गेहूं की बुआई पर किसानों को 3600 रुपए प्रति एकड़ अनुदान देगी। सरकार की खाद्य एवं पोषण सुरक्षा-गेंहू स्कीम के तहत यह फैसला लिया गया है। प्रदेश के 8 जिलों के किसान इसका फायदा ले सकते हैं। इसके लिए किसानो को 25 दिसंबर तक आवेदन करना होगा।

कृषि तथा किसान कल्याण विभाग के पत्र के मुताबिक यह अनुदान उन्नत तकनीक से अधिक उपज देने वाली किस्मों में गेहूं के समूह प्रदर्शन प्लॉट पर यह अनुदान किसानों को मिलेगा। स्कीम वाले जिलों में अंबाला, भिवानी, हिसार, झज्जर, मेवात, पलवल, चरखी दादरी और रोहतक जिले शामिल हैं। अनुदान लेने के लिए किसानों को कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा की वेबसाइट पर आवेदन करना होगा।

आदेश के मुताबिक एक किसान अधिकतम 2.5 एकड़ का लाभ ले सकता है। इसमें 20फीसदी लाभ अनुसूचित जाति, महिला किसान, लघु एवं सीमांत किसानों के लिए उपलब्ध है। किसान को इसमें प्रयोग होने वाली कृषि सामग्री खरीदने के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवानी होगी। इसके बाद यह सामग्री हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की समग्र सिफारिशों के अनुसार खरीदी जाएगी। जो सरकारी, अर्ध सरकारी, सह समिति या अधिकृत विक्रेता से भी खरीदी जा सकती है। खरीद के बाद इस सामग्री की रसीद संबंधित कृषि विकास अधिकारी के पास भेजनी होगी।कृषि विकास अधिकारी इस सामग्री का सत्यापन करेगा। जिसके बाद वह इसे उप कृषि निदेशक के कार्यालय में भेजेंगे। इसके पश्चात उप कृषि निदेशक के कार्यालय किसान के बैंक खाते में प्रति एकड़ के हिसाब से अनुदान राशि जारी कर देंगे।

नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध ढंग से समाधान करें अधिकारी : डीसी धीरेंद्र खडग़टा

सुकरमपाल, पब्लिक एशिया

रोहतक » उपायुक्त धीरेंद्र खडग़टा ने जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अमरूत-दो के तहत शहर की उन कॉलोनियों के लिए भी सीवरेज एवं पेयजल लाइन डालने की डीपीआर तैयार करें, जो निकट भविष्य में नियमित होने वाली हैं। डीपीआर को फाइनल करने से पहले शहरी स्थानीय निकाय और अन्य संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ विस्तार से चर्चा की जाए ताकि अंतिम रूप दिया जाने के बाद पेयजल और सीवरेज की पाइप लाइन डालने में किसी प्रकार की कोई अड़चन न आए। इसके साथ ही शहर में ठप या जाम सीवरेज लाइनों को प्राथमिकता के साथ दुरुस्त करवाया जाए।उपायुक्त खडग़टा मंगलवार को लघु सचिवालय के सभागार में आयोजित समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याएं सुनने के दौरान अधिकारियों को निर्देश दे रहे थे। मंगलवार को समाधान शिविर के दौरान 21 शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके समाधान के लिए संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे समाधान शिविर के साथ-साथ उनके कार्यालय में भी आने वाले नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से लें और उनका तत्परता से समाधान करें। उन्होंने समाज कल्याण विभाग और क्रिड विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पेंशन और परिवार पहचान पत्र में आय दुरुस्त करवाने संबंधित नागरिकों की शिकायतों का समाधान तत्परता व समयबद्ध ढंग से करें। परिवार पहचान पत्र की त्रुटियों को दुरुस्त करवाने में नागरिकों को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार और जिला प्रशासन का मुख्य उद्देश्य नागरिकों को बिजली, पानी आदि मूलभूत सुविधाएं आसानी से उपलब्ध करवाना है।

इस दौरान नगराधीश अंकित कुमार, जनस्वास्थ्य विभाग के एसई शिवराज सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल, जिला राजस्व अधिकारी कनब लाकड़ा, एक्सईएन तरूण गर्ग व बलविंद्र, सीमा नारा सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

समाधान शिविर के दौरान ये रही मुख्य समस्याएं

किसान सुनील ने फसल बीमा कंपनी द्वारा अपनी मनमानी किए जाने बारे व गन्ना किसानों को बोनस के रूप में प्रोत्साहन राशि नहीं मिलने बारे, हाऊसिंग बोर्ड निवासी कुलदीप शर्मा व टिटौली निवासी भूप सिंह ने अविवाहित पेंशन बनवाने बारे, गांव चमारिया निवासी वजीर ने वृद्धावस्था पेंशन बनवाने बारे अपनी समस्याएं रखी। इसी प्रकार स्थानीय एकता निवासी मंजू ने परिवार पहचान पत्र में आय दुरुस्त करवाने बारे, सूर्य नगर निवासी प्रदीप ने मकान की रजिस्ट्री से संबंधित, महेंद्र सिंह ने बिजली से संबंधित, जसबीर कॉलोनी निवासी रमेश ने परिवार पहचान पत्र बनवाने बारे, गांव रिठाल फौगाट निवासी सुरजीत ने पंचायती रास्ते से अवैध कब्जा हटवाने की समस्या रखीं। उपायुक्त ने नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से समस्याओं का समाधान करने के निर्देश दिए। समाधान शिविर में नागरिकों ने परिवार पहचान, अतिक्रमण, पेयजल, बिजली, सीवरेज व अवैध कब्जे हटवाने, वृद्धावस्था पेंशन बनवाने आदि विभिन्न प्रकार की समस्याएं रखी। डीसी ने संबंधित अधिकारियों को इन समस्याओं का अति शीघ्र समाधान करने के निर्देश दिए।

हरियाणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बडोली आज से जिलों का दौरा शुरू करेंगे

पब्लिक एशिया ब्यूरो

चंडीगढ़ » हरियाणा में सदस्यता अभियान को गति देने के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बडोली जिलों का दौरा करेंगे।बडोली 13 नवंबर से 21 नवंबर तक दौरा करेंगे। इस दौरान प्रदेश अध्यक्ष के साथ प्रवास प्रमुख भी रहेंगे। इस एक सप्ताह में पार्टी का लक्ष्य अधिक से अधिक लोगों को बीजेपी से जोड़कर 50 लाख सदस्यों का टारगेट हासिल करना है।

सदस्यता अभियान के प्रदेश संयोजक वेदपाल एडवोकेट के मुताबिक 13 नवंबर को प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली का प्रवास कार्यक्रम प्रातः 10 बजे नूंह जिला से शुरू होगा। इसी दिन प्रदेश अध्यक्ष 2 बजे पलवल और 4.30 बजे फरीदाबाद में प्रवास करेंगे। इसी तरह 14 नवंबर 10 बजे रोहतक, 2 बजे जींद, 4.30 बजे सोनीपत में बड़ौली का प्रवास कार्यक्रम होगा।

वेदपाल एडवाकेट के अनुसार बड़ौली का 15 नवंबर को 10 बजे गुरुग्राम, 2 बजे रेवाड़ी, 4.30 बजे महेन्द्रगढ़ में प्रवास करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष का 16 नवंबर को 10 बजे दादरी, 2 बजे भिवानी , 4.30 बजे झज्जर जिला में प्रवास होगा। उन्होंने बताया कि पंडित मोहन लाल बड़ौली 17 नवंबर 9 बजे हिसार, 11.30 बजे सिरसा, 2 बजे फतेहाबाद, 4.30 बजे कैथल प्रवास कर सदस्यता अभियान को प्रभावी बनाने के लिए कार्यकर्ताओं में जोश भरेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष 18 नवंबर को 10 बजे पानीपत, 2 बजे करनाल, 4.30 बजे कुरूक्षेत्र और 21 नवंबर 10 बजे पंचकूला, 2 बजे अंबाला, 4.30 बजे यमुनानगर में प्रवास करेंगे।

वेदपाल एडवाकेट ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष के प्रवास कार्यक्रम के दौरान प्रवास प्रमुख गोपाल शर्मा नूंह, फरीदाबाद, पलवल और गुरुग्राम में रहेंगे। इसी तरह से संदीप जोशी रोहतक, सोनीपत, पानीपत और करनाल में रहेंगे। उन्होंने बताया कि वरूण श्योराण जींद, रेवाड़ी, महेन्द्रगढ़, झज्जर और मीना परमार भिवानी, दादरी तथा अशोक गुर्जर हिसार, सिरसा, फतेहाबाद व कैथल जिला में प्रदेश अध्यक्ष के साथ रहेंगे। वेदपाल एडवोकेट कहा कि वे खुद कुरूक्षेत्र, पंचकूला, अंबाला और यमुनानगर में प्रवास कार्यक्रम के दौरान प्रदेश अध्यक्ष के साथ मौजूद रहेंगे। उन्होंने बताया कि बड़ौली के प्रवास कार्यक्रम के दौरान जिला अनुसार जिला कार्यकारिणी सदस्य, जिला सदस्यता टोली, मंडल सदस्यता टोली, शक्ति केंद्र प्रमुख, शक्ति केंद्र सदस्यता प्रमुख उपस्थित रहेंगे।

नाटक शिक्षा छात्रों को स्वयं को प्रामाणिक रूप से अभिव्यक्त करने और अपनी आवाज खोजने में सक्षम बनाती है, जिससे उनका समग्र आत्मविश्वास बढ़ता है : मधुप पराशर

डॉ.एम.के.के. विद्यालय में अंतरसदनीय लघु नाटिका का अद्भुत प्रदर्शन

सचिन सिधवानी, पब्लिक एशिया

पानीपत » मंगलवार को मॉडल टाउन स्थित डॉ.एम.के.के.आर्य मॉडल स्कूल में अंतरसदनीय लघु नाटिका प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कक्षा छठी से आठवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस नाटिका में सामाजिक समस्याओं व उनके सुधार का संदेश दिया गया। आस्था, अहिंसा, निष्ठा व शक्ति सदन के विद्यार्थियों ने क्रमशः स्मार्टफोन की लत-एक अदृश्य महामारी, पर्यावरण सुरक्षा, भ्रष्टाचार - एक समस्या, जैसी करनी वैसी भरनी विषयों पर अभिनय कौशल का अद्भुत प्रदर्शन किया। अपने नाटक को रोचक और अभिव्यंजक बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के सामग्री का उपयोग किया गया। आस्था सदन के विद्यार्थियों ने स्मार्टफोन की लत - एक अदृश्य महामारी लघु नाटिका के माध्यम से दर्शाया कि स्मार्टफोन की लत एक ऐसी स्थिति है जहाँ व्यक्ति स्मार्टफोन का उपयोग इतना अधिक करता है कि वह उसके जीवन को नकारात्मक रूप से प्रभावित करने लगता है। यह लत व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य, सामाजिक संबंधों और दैनिक गतिविधियों पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है।

अहिंसा सदन के विद्यार्थियों ने पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि हमें अपने आस-पास स्वच्छता का ध्यान रखना चाहिए और अधिक से अधिक पेड़ लगाने चाहिए।

निष्ठा सदन के विद्यार्थियों ने भ्रष्टाचार एक समस्या विषय पर लघु नाटिका प्रस्तुत की। जिसके माध्यम से समाज में फैले भ्रष्टाचार का विकराल रूप प्रदर्शित किया व भ्रष्टाचार को समाप्त करने का संदेश दिया ।शक्ति सदन के विद्यार्थियों ने जैसी करनी वैसी भरनी लघु नाटिका के माध्यम से बड़े बुजुर्गों की सेवा करने और उनका सम्मान करने का संदेश दिया।

वहीं अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य मधुप पराशर द्वारा इस प्रतियोगिता का परिणाम घोषित किया गया। जिसमें प्रथम स्थान पर- निष्ठा सदन, द्वितीय स्थान पर- आस्था सदन व तृतीय स्थान पर- अंहिसा सदन रहे।

प्रधानाचार्य मधुप पराशर, शैक्षिक सलाहकार मंजू सेतिया और अंजली ने कहा कि नाटक में भाग लेने से छात्रों का आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान बढ़ता है। जब वे दर्शकों के सामने प्रदर्शन करते हैं या समूह गतिविधियों में भाग लेते हैं, तो उनमें उपलब्धि की भावना विकसित होती है और वे मंच के डर पर काबू पा लेते हैं। उन्होंने कहा कि नाटक शिक्षा छात्रों को खुद को प्रामाणिक रूप से व्यक्त करने और अपनी आवाज़ खोजने में सक्षम बनाती है, जिससे उनका समग्र आत्म-विश्वास बढ़ता है।

जयहिंद बोले -राज्यपाल ने कहा जल्द ही होगा समस्या का समाधान

पब्लिक एशिया ब्यूरो

रोहतक » हरियाणा के रोहतक जिले में नवीन जयहिंद सैक्टर 6 तंबू अक्सर चर्चाओं में रहता हैं पिछले दिनों जयहिंद के तंबू को बुलडोजर से सरकार द्वारा गिरा दिया गया ताकि जयहिंद लोगो की समस्याएं उठानी बंद कर दे ओर तंबू में लगाए जाने वाले जनता दरबार बंद हो जाए वही गत मंगलवार को हजारों पीजीआई के कच्चे कर्मचारी अपनी समस्याएं लेकर जयहिंद के टूटे हुए तम्बू में पहुंचे और जयहिंद के नेतृत्व में पीजीआई में पहुंच रहे माननीय राज्यपाल जी ओर स्वास्थय मंत्री आरती राव को अपनी समस्याओं से अवगत कराने टूटे हुए तम्बू से पीजीआई की ओर कूच की।

हजारों कच्चे कर्मचारियों ने पीजीआई की तरफ सड़क पर पैदल गमन किया तभी बीच में ही सैकड़ों पुलिसकर्मियों ने बेरिकेडिंग करके जयहिंद को बीच रास्ते में ही रोक दिया जिसके बाद जयहिंद पीजीआई के कच्चे हजारों कर्मचारियों के साथ बीच सड़क पर ही बैठ गए जिसके बाद नवीन जयहिंद ओर कमेटी के कुछ सदस्यों को लेकर पीजीआई में ही माननीय राज्यपाल, डीसी व एसडीएम के सामने समस्याओं से अवगत कराने के लिए ले जाया गया जहां पहले डीसी व एसडीएम मिलने पहुंचे फिर राज्यपाल जी से मिले और उन्हें ज्ञापन सौंपा। नवीन जयहिंद ने पीजीआई के सभी कच्चे कर्मचारियों की समस्याओं ओर पीजीआई में चल रहे भ्रष्टाचार के मामले से अवगत कराया जिसके बाद राज्यपाल जी द्वारा सभी मामले की जांच के आदेश जिला प्रशासन को दिए ताकि कच्चे कर्मचारियों की मांगो का जल्द से जल्द समाधान हो सके।

वही जयहिंद ने चुनाव के दौरान चुनाव लड़ने वाले नेताओ पर भी तंज कसते हुए कहा कि चुनाव से पहले हजारों चुनावी शेर हरियाणा के अलग अलग हलकों में घूम रहे थे अब वे हजारों चुनावी शेर किस गुफा में छिप गए है उन्हें गुपा से बाहर आकर हरियाणा की जनता की समस्याओं को दूर करवाने के लिए सामने आना चाहिए ताकि जनता की समस्याओं का समाधान हो. जयहिंद ने हरियाणा में विपक्ष को अब विधानसभा चुनाव में हुई हार के संतापे से बाहर निकलकर हरियाणा की पीड़ित जनता की आवाज उठानी चाहिए सिर्फ चुनाव के 5 महीने पहले जनता के बीच जाकर चुनाव जीतने का ढोंग नहीं करना चाहिए अगर विपक्ष जनता की आवाज नहीं उठाएगा तो ऐसे तो अगले 10 साल तक विपक्ष हरियाणा में सत्ता की कुर्सी हासिल नहीं कर पाएगा बॉक्स कर्मचारी बोले पेड़ नहीं कटने देंगे कर्मचारियों ने कहा जहां पर यह तम्बू था वहां पर किसी का कोई प्लाट नहीं था और रही बात बाग की तो सरकार बाग में इतने पेड़ काट कर कैसे प्लॉट काट सकती है और हम इन पेड़ों को नहीं कटने देंगे। जबकि हमारे मुख्यमंत्री नायब सैनी जी भी इस समाज से आते है जिस समाज में पेड़-पौधों की रक्षा की जाती है। ओर अगर फिर भी मुख्यमंत्री साहब पेड़ काट कर प्लॉट काटते है तो उन्हे पाप लगेगा।